भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

जयपुर, 30 अगस्त - 5 सितम्बर, 2023

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

श्रावण (अधिक), पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2080 | पृष्ठ : 8 | बुधवार | वर्ष-9, अंक-27, | मूल्य ₹ 5/- | वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

रक्षाबंधन मुहूर्त

बुधवार को भद्रा सुबह 10.59 बजे से शुरू होकर रात 9.01 बजे पर समाप्त होगी।
भद्रा की शुरुआत से पहले सुबह 10.58 बजे और रात्रि 9:01 से मध्यरात्रि 12:28 बजे राखी बांधी जा सकेगी।
गुरुवार को सुबह 7.37 मिनट तक भी राखी का पर्व मनाया जा सकेगा।

-ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री

एलपीजी सिलेंडर ₹200 सस्ता, जयपुर में कीमत ₹906.50 पैसे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने रक्षाबंधन और ओणम पर देशवासियों का तोहफा दिया है। सरकार के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रुपये की कमी करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 200 रुपये का अतिरिक्त फायदा मिलेगा। उन्हें पहले से ही सब्सिडी के रूप में 200 रुपये मिल रहे हैं। इस तरह अब उनके खाते में 400 रुपये की सब्सिडी आएगी। अभी दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1103 रुपये है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के खाते में 400 रुपये आएंगे। यानी उन्हें सिलेंडर 703 रुपये का पड़ेगा। आम उपभोक्ताओं के लिए गैस सिलेंडर जयपुर में 906.50 पैसे और दिल्ली में 903 रुपये का पड़ेगा। घटी हुई कीमत रात 12 बजे से लागू हो गई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नए 75 लाख उज्ज्वला कनेक्शन मिलने के बाद इस श्रेणी में कुल 10 करोड़ 35 लाख कस्टमर्स हो जाएंगे। ठाकुर ने कहा कि अप्रैल 2020 से अप्रैल 2022 तक दुनिया भर में एलपीजी का दाम तिगुना हुआ। लेकिन भारत में इसकी कीमत सिर्फ 35 फीसदी बढ़ी। सरकार ने पेट्रोलियम कंपनियों को मदद की। इस निर्णय से एलपीजी के 33 करोड़ ग्राहकों को लाभ होगा। इस फैसले का किसी इलेक्शन से कोई लेना-देना नहीं है। यह फैसला आज रात से ही लागू हो गई।

अभी कितनी है कीमत

मार्च 2023 में कैबिनेट ने इस योजना के लाभार्थियों के लिए प्रति सिलेंडर 200 रुपये की सब्सिडी एक साल के लिए बढ़ाने का फैसला लिया था। सरकार ने गरीबों को स्वच्छ ईंधन का फायदा देने के लिए मई 2016 में यह योजना शुरू की थी। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में इसका कुल खर्च 6,100 करोड़ रुपये था जो फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में बढ़कर 7,680 रुपये हो जाएगा। देश में 14.2 किग्रा वाले एलपीजी सिलेंडर के रेट में आखिरी बार एक मार्च, 2023 को बदलाव हुआ था। उससे पहले जुलाई 2022 में एलपीजी की कीमत गई थी। दिल्ली में 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1103 रुपये है। एक अगस्त को 19.2 किलो के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में बदलाव किया गया था। इसकी कीमत में 100 रुपये की कटौती की गई थी।

बेटी ने मां से कहा-अगर सास ने थोड़ा डांट दिया तो कौनसी आफत आ जाएगी

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

अक्सर हमें घरों में सास-बहु के झगड़े देखने सुनने को मिल जाते हैं। ये आज से नहीं है पता नहीं ये बातें कबसे चली आ रही हैं। मगर जबसे सरकारी कानूनों में ये प्रताड़ना मान लिया गया है तब से इन कानूनों की आड़ में बहुएं सास पर, सास के साथ ही ससुर पर और यहां तक कि अपने पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर उन्हें जेल में डालने की धौंस देने लग जाती हैं। यहां तक जेल में डलवा भी दिया जाता है। कभी दहेज के मामले में तो कभी प्रताड़ना के मामले में अगर अपवाद स्वरूप छोड़ दें तो यह धौंस-धमकी आम घरों में हो चली है। ये समाज में अच्छा नहीं है। आवश्यक वस्तुएं देने का रिवाज (दहेज) अनंतकाल से चली आ रही प्रथा है। मगर उस समय सामर्थ्य के अनुसार होता था। आपसी रिश्तेदारों और पड़ौसियों के सहयोग से विवाह में जो सहयोग किया जाता था उसी का नाम दहेज होता था। अब सहयोग जो होता है उसका स्वरूप बदल गया है। इसलिए कोई सहयोग करे या न करे, कहीं दहेज मांग कर लिया जाता है तो कहीं बिना मांगे ही मिल जाता है। इससे अलग एक स्थिति और भी होती है जिसमें अपनी महत्वाकांक्षाओं के लिए अलग होकर बहु अपने पति को लेकर अन्यत्र चली जाती है और सास-ससुर देखते ही रह जाते हैं। बात चल रही थी सासू-बहू के बीच विवाद होने की। तो ध्यान से सोचने की बात है बच्ची जब जन्म लेती है तो रोती हुई आती है तब मां ही उसे गोद में उठती है और उसे दुलारती है। बड़ी होने पर जब विवाह हो गया तो रोते हुए ससुराल जाती है। तो वहां उसका सम्मान सहित गृह प्रवेश होता है सास उसे गले लगाती है। अब देखिए अगर मां ने जीवन दिया तो सास ने भी तो लड़की को जीवन साथी दिया। मां ने अगर चलना सिखाया तो सास ने भी तो समाज में उठना-बैठना सिखाया। मां ने अगर घर के काम-काज करना सिखाया तो सास ने उसे घर चलाना सिखाया। घर चलाना कोई आसान काम नहीं है। माना कि मां ने बचपन से बड़ी होने तक कोमल पौधे की तरह पालापोशा। तो सास ने भी तो वट वृक्ष की तरह मजबूत बनाया। अगर हम कहें कि मां ने हर तरह से उसे पलकों पर बिठा के रखा, सुखमय जीवन दिया तो सास भी तो तरह-तरह के संघर्षों से लड़ना सिखाती है। अगर मां को ईश्वर के समान माना जाता है तो सास भी जीवन जीने के गुर सिखाती है। इसलिए सास गुरु है और गुरु ईश्वर से भी बड़ा होता है। एक मां-बेटी का ये संवाद ध्यान से पढ़कर हर घर में बहन, बहु-बेटियों को जीवन में उतारना चाहिए- जब कोई मां अपनी लड़की को किसी बात पर डांटती है तो अक्सर कहती है कि खबरदार! ऐसे ही चलेगी तो आगे ससुराल में सास सबक सिखाएगी। बेटी कहती है मां! ठीक है, मगर बुखार आने पर मेरे सिर पर पट्टी भी तो वही लगाएगी और अपने वर्षों की संजोई हुई गृहस्थी मेरे हाथों में थमाएगी। अगर उसने किसी गलती पर थोड़ा डांट दिया तो कौन सी आफत आ जाएगी। अगर यह भाव सब लड़कियों में आ जाए तो सास-बहु का झगड़ा ही खत्म हो जाए।

Shivdayalmishra@gmail.com

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश ही रहेगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर को जल्द फिर से राज्य बना दिया जाएगा, कोर्ट में बोला केन्द्र...

J&K को यूनियन टेरिटरी बनाने का फैसला अस्थायी

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- चुनाव कब कराओगे, राज्य बनाने की क्या टाइम लाइन है?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को खत्म करने के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में (29 अगस्त) 12वें दिन सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र ने कोर्ट को बताया कि जम्मू-कश्मीर को दो अलग यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांटने का कदम अस्थायी है। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश ही रहेगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर को जल्द फिर से राज्य बना दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह राष्ट्रीय हित में जम्मू-कश्मीर को दो अलग यूनियन टेरिटरी में बांटने के केंद्र के फैसले को स्वीकृति देने की इच्छुक है। कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर को यूनियन टेरिटरी बनाने का कदम कितना अस्थायी है और उसे वापस राज्य का दर्जा देने के लिए क्या समय सीमा सोच रखी है, इसकी जानकारी दें। यह भी बताएं कि वहां चुनाव कब कराएंगे।

CJI बोले- 35A ने गैर-कश्मीरियों के अधिकार छीने

28 अगस्त को सुनवाई में कोर्ट ने आर्टिकल 35A को नागरिकों के अधिकारों का हनन करने वाला आर्टिकल बताया था। CJI डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 35A के तहत जम्मू-कश्मीर के लोगों को विशेषाधिकार मिले थे, लेकिन इसी आर्टिकल से देश के लोगों के तीन बुनियादी अधिकार छीन लिए गए। इस आर्टिकल की वजह से अन्य राज्यों के लोगों के कश्मीर में नौकरी करने, जमीन खरीदने और बसने के अधिकारों का हनन हुआ।

केंद्र ने कहा- पुलवामा हमले के बाद सरकार ने आर्टिकल 370 हटाने के बारे में सोचा : सोमवार को केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि फरवरी 2019 को पुलवामा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसी हमले के बाद केंद्र को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने और उसे पूरी तरह भारतीय गणराज्य में मिलाने के बारे में सोचना पड़ा।

कांग्रेस नेता डूडी को एयर एम्बुलेंस से गुड़गांव मेदांता में किया शिफ्ट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान कृषि उद्योग विकास बोर्ड के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता रामेश्वर डूडी (60) को ऑपरेशन की हालत नाजुक बनी हुई है। उन्हें मंगलवार को गुड़गांव के मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया है। एयर एम्बुलेंस के जरिए उन्हें जयपुर एयरपोर्ट से सीधे गुड़गांव लेकर गए है। दरअसल, उन्हें ऑपरेशन के 42 घंटे बाद भी होश नहीं आया है। समाचार लिखे जाने तक डूडी की हालत स्थिर बनी हुई है। उनको एसएमएस हॉस्पिटल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा हुआ था। सोमवार देर शाम मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे थे। जहां डॉक्टरों और उनके परिजनों से चर्चा के बाद उन्हें बेहतर ट्रीटमेंट के लिए मेदांता शिफ्ट करने का निर्णय किया गया था।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

आरपीएससी : आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मिलेगा 10 मिनट का अतिरिक्त समय

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसमें अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि ओएमआर आंसर शीट में समस्त प्रश्नों में दिए गए 5 विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन कर भर दिया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि पूर्व में इसके लिए 5 मिनट अतिरिक्त समय देने का प्रावधान किया गया था। इसको अधिक्रमित करते हुए दिए जाने वाले अतिरिक्त समय को बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।

उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा आयोजित आगामी वस्तुनिष्ठ भर्ती परीक्षाओं में अब प्रश्न-पत्र व ओएमआर शीट में 5 वां विकल्प भी दिया जाएगा। यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहता है तो उसे पांचवे विकल्प का चयन करना होगा। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए 5 में से केवल एक गोले को ओएमआर शीट पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा कर भरना होगा। प्रत्येक प्रश्न के किसी एक विकल्प को भरना अनिवार्य होगा। यदि अभ्यर्थी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहे तो 5 वें विकल्प का चयन कर भरना होगा। किसी भी विकल्प का चयन न करने पर प्रति प्रश्न 1/3 अंक काटे जाएंगे। अभ्यर्थी द्वारा 10 प्रतिशत से अधिक प्रश्नों में यदि किसी भी विकल्प का चयन नहीं किया जाता है तो उसे उस परीक्षा हेतु अयोग्य ठहरा दिया जाएगा।

पितृ दोष दूर करिए

पितृ मोक्ष की राह हुई आसान

16 दिन नियमित कराएं श्री गया जी में पितृ श्राद्ध

श्री गया जी में पूरे पितृ पक्ष के दौरान रहने, खाने एवं रुकने की व्यवस्था, पंडितों की दक्षिणा, 16 दिनों तक हवन, पिंडदान एवं ब्राह्मण भोजन की व्यवस्थाओं के चलते लाखों रुपए का खर्चा होता है। जिसे आम आदमी वहन नहीं कर पाता। इसलिए ऐसे लोगों के लिए **नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट** ने कम खर्चे में पितृ श्राद्ध जैसा पुण्य कार्य करवाने का बीड़ा उठाया है। प्रत्येक यजमान के साथ पिंडदान कार्य करवाने के लिए अलग से ब्राह्मण की व्यवस्था सहित इसके लिए श्राद्ध कर्म में होने वाले सम्पूर्ण व्यय का आधा खर्चा संस्था वहन करेगी। जिसमें आने-जाने का किराया भी शामिल है। ये व्यवस्था लाखों में नहीं अपितु हजारों में ही हो जाएगी।

पहले आओ, पहले पाओ संख्या सीमित है

आप सोचेंगे कि अभी तो श्राद्ध पक्ष में बहुत समय बाकी है, लेकिन ऐसा नहीं है। श्री गयाजी में अभी से तैयारियां होने लग गई हैं। इसलिए ऐनमौके पर व्यवस्था करने में कठिनाई होती है। अत: श्राद्ध कराने के इच्छुक निम्न नंबरों पर अभी से सम्पर्क कर सकते हैं :-

मो. नं. 8561088777, 9928022718, 9829118962

-: सौजन्य से :-

नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट

ANCHOR | सुस्त मानसून

21 राज्यों में फिलहाल बारिश की संभावना नहीं

सिर्फ नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में होगी, सामान्य से कम बारिश के साथ खत्म होगा मानसून

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/नई दिल्ली। मानसून सीजन का तीसरा महीना खत्म होने को आया है, लेकिन देश में इस वक्त सूखा पड़ा हुआ है। बीते एक हफ्ते से पूर्वोत्तर और दक्षिण के कुछ राज्यों को छोड़कर पूरे देश में बारिश रुकी हुई है। देश में सामान्य से 8% कम बारिश हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस समय मानसून पर ब्रेक लगा हुआ है, जो अगले चार से पांच दिन तक बना रह सकता है। IMD के मुताबिक, 2 सितंबर तक नॉर्थ-ईस्ट के 8 राज्यों- असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैण्ड और सिक्किम में बारिश हो सकती है। बाकी बचे 21 राज्यों में बारिश की संभावना नहीं है। 1 जून को मानसून की शुरुआत होने के बाद से देश के सिर्फ आठ राज्य ऐसे हैं, जहां सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। इनमें जम्मू कश्मीर (11%), हिमाचल प्रदेश (35%), उत्तराखंड (11%), हरियाणा (10%), गुजरात (18%), राजस्थान (16%) और तेलंगाना (12%) शामिल हैं। 21 राज्यों में सामान्य से कम बारिश हुई है। 48% कम बारिश के साथ केरल इस लिस्ट में सबसे आगे है। इसके बाद मणिपुर 46 फीसदी और झारखंड 35 फीसदी के साथ तीसरे नंबर पर हैं। मध्यप्रदेश 11% कम बारिश के साथ इस सूची में 15वें नंबर पर है। देश में इस बार मानसून सीजन काफी बदला-बदला सा रहा। 1970 के बाद पहली बार दिल्ली, आगरा और वृन्दावन में बाढ़ जैसी स्थिति घोषित की गई। वहीं हरियाणा में पहली बार बाढ़ की स्थिति बनी।भारतीय मौसम विभाग भी अगले हफ्ते सितंबर के लिए अपना पूर्वानुमान जारी करने वाला है।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886

सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

10 करोड़ के बजट राजधानी में बनेगा नया स्टेडियम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर में एक और स्टेडियम को आखिर कार मंजूरी मिल गई है। साथ ही इस स्टेडियम का बजट 10 करोड़ रुपए कर दिया गया है। जो पहले 1.50 करोड़ रुपए था। सीएम अशोक गहलोत ने 10 करोड़ के नए बजट को मंजूरी दे दी है। ये नया स्टेडियम ग्रेटर जयपुर नगर निगम के झोटवाड़ा के कंवर के बास में बनेगा। वहीं चुनाव के कारण स्टेडियम का काम आगे बढ़ने में वक्त लग सकता है। सीएम अशोक गहलोत ने इस साल के बजट

में कंवर नगर में स्टेडियम बनाने की घोषणा की थी। बजट में स्टेडियम की लागत 1.5 करोड़ थी। सीएम पिछले दिनों ग्रामीण ओलंपिक खेलों के कार्यक्रम में गए थे। उस समय सीएम ने बजट बढ़ाने की घोषणा की थी। हालांकि चुनाव आचार संहिता लगने के चलते शुरूआत पर संशय है।

स्टेडियम का काम आगे बढ़ने में वक्त लगेगा

सीएम ने अभी स्टेडियम के लिए मंजूरी दी है। काम शुरू होने में अभी काफी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। विस चुनावों की आचार संहिता लगने में करीब सवा महीने से भी कम वक्त बचा है। आचार संहिता लगने के बाद काम की संभावना नहीं है। ऐसे में अब नई सरकार के समय ही इस स्टेडियम का काम शुरू हो सकेगा।

कृषि मंत्री कटारिया के क्षेत्र में आता है कंवर का बास

कंवर का बास झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में आता है। झोटवाड़ा कृषि मंत्री लालचंद कटारिया का विधानसभा क्षेत्र है। विधानसभा चुनावों से पहले कटारिया के क्षेत्र में 10 करोड़ की लागत से स्टेडियम की घोषणा को सियासी रूप से अहम माना जा रहा है।

"राजस्व न्यायिक प्रकरण त्वरित निस्तारण हेतु सुझाव" विषयक राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता हेतु रचनाएं आमंत्रित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। राजस्व मंडल अजमेर की ओर से राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं नवाचार की दिशा में ''राजस्व न्यायिक प्रकरणः त्वरित निस्तारण हेतु सुझाव'' (Revenue Courts Cases : Suggestions for Speedy Disposal) विषयक राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित जा रही है। इसमें सरकारी महकमों के अलावा अभिभाषक एवं आम नागरिक भी भाग ले सकते हैं। निबंध रचनाएं 11 सितम्बर 2023 तक राजस्व मंडल को भिजवानी होगी।

पांच श्रेणियों में प्राप्त श्रेष्ठ रचनाओं को राजस्व मंडल करेगा सम्मानित

राजस्व मंडल के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह के निर्देशानुसार आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में राजस्थान राज्य के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, राजस्व अधिकारी व कर्मचारी, अधिवक्ता एवं आम नागरिक हिस्सा ले सकते हैं। हिन्दी अथवा अंग्रेजी में भेजे जाने वाले निबंध के लिये अधिकतम शब्द सीमा एक हजार निर्धारित की गई है, जिन्हें 11 सितम्बर से पूर्व मंडल को ई-मेल आईडी bor-rj@nic.in अथवा निबंधक, राजस्व मंडल अजमेर के पते पर भिजवाया जा सकेगा। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त निबंध मूल्यांकन में शामिल नहीं किए जाएंगे। राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि इन पांचों श्रेणियों में प्राप्त निबंध रचनाओं की समीक्षा राजस्व मंडल स्तर पर गठित समिति द्वारा की जाकर प्रत्येक श्रेणी में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए प्रतिभागी का चयन किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को राजस्व मंडल की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

चयन समिति गठित

निबंध प्रतियोगिता के मूल्यांकन विभिन्न श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागी का चयन करने के लिए राजस्व मंडल के स्तर पर सदस्य आरडी मीणा के संयोजकजकत्व में एक समिति गठित कर दी गई है, जिसमें मंडल सदस्य अविनाश चौधरी सुरेंद्र कुमार पुरोहित, भंवर सिंह सांदू, भवानीसिंह पालावत बतौर सदस्य मनोनीत किए गए हैं।

अगले महीने कम मिल सकता है राशन का गेंहू

12 लाख परिवारों पर पड़ेगा इसका असर, केंद्र सरकार ने चलाई कैंची

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में अगले महीने करीब 52 लाख लोगों (करीब 12 लाख परिवारों) को राशन के गेंहू मिलना मुश्किल होगा। केन्द्र सरकार की ओर से हर महीने जो राज्य को गेंहू आवंटित किया जाता है। उसमें से करीब 26 हजार मीट्रिक टन की कटौती की गई है। केन्द्र के इस निर्णय के बाद राज्य में फूड एंड सप्लाई डिपार्टमेंट के अधिकारियों के हाथ-पांव भूल गए। वे आनन-फानन में अब दिल्ली गए हैं। जहां केन्द्रीय अधिकारियों के संग राज्य के गेंहू के स्टॉक का कच्चा-चिट्ठा रखेंगे।

दरअसल, केन्द्र सरकार राष्टीय खाद्य सुरक्षा एक्ट के तहत हर महीने 2.30 लाख मीट्रिक टन गेंहू का आवंटन राज्य सरकार को करता है। जो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 1.07 करोड़ से ज्यादा परिवार को हर महीने फ्री बांटा जाता है। इस महीने केन्द्र सरकार ने सितम्बर के आवंटन में कटौती कर दी। ये कटौती 56 हजार मीट्रिक टन की हुई। आवंटन केवल 1.74 लाख मीट्रिक टन ही किया।

राज्य सरकार के पास 30 हजार मीट्रिक टन का स्टॉक

राज्य सरकार के पास वर्तमान में 30 हजार मीट्रिक टन का स्टॉक है। ऐसे में राज्य में सितम्बर माह में गेंहू बांटने के लिए राज्य सरकार के पास केवल 2.04 लाख मीट्रिक टन ही गेंहू है। इस तरह 26 हजार मीट्रिक टन गेंहू कम है।

12 लाख परिवार रह सकते है गेंहू लेने से वंचित

26 हजार मीट्रिक टन की कमी से सितम्बर में 12 लाख परिवार गेंहू लेने से वंचित रह सकते हैं। वर्तमान में राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट के तहत 1.07 करोड़ परिवार जुड़े है। इन परिवारों के 4 करोड़ 37 लाख 67 हजार से ज्यादा सदस्य जुड़े है। केन्द्र सरकार प्रत्येक सदस्य को हर महीने 5 किलोग्राम गेंहू हर महीने मुफ्त में देती है।

स्टूडेंट्स ने निर्भया स्क्वॉड टीम को बांधा रक्षा सूत्र

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के कानोड़िया पीजी महिला कॉलेज में रक्षा बंधन के पर्व पर निर्भया स्क्वॉड और गांधीनगर पुलिस थाने से पुलिसकर्मियों को आमंत्रित किया गया। छात्राओं ने रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें रक्षाबंधन के पवित्र पर्व पर सनेह अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने अपने स्वागत उद्बोधन के माध्यम से निर्भया स्क्वॉड और गांधीनगर पुलिस थाने की ओर से महाविद्यालय को सदैव सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। निर्भया स्क्वॉड की नोडल ऑफिसर सुनीता चौधरी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें हमेशा अपने आप पर भरोसा रखने व अपने हक के लिए सचेत रहने को कहा। गांधीनगर थाने के एसएचओ कैलाश विश्नोई ने छात्राओं को यह विश्वास दिलाया कि पुलिस भी आमजन की तरह ही है, वे हमेशा लोगों की मदद करने के लिए समर्पित है। उन्होंने छात्राओं को पुलिस सेवा में अपना करियर बनाने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य, वाणिज्य संकाय, डॉ. सुनीता माथुर व कला संकाय की उप-प्राचार्य डॉ. मनीषा माथुर उपस्थित रहीं। कार्यर् म का सफल संचालन एवं आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यर् म अधिकारी डॉ. आँचल पुरी ने किया। कार्यक्रम समापन पर स्वयं सेविका वर्णिता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सांस्कृतिक आधार पर होगा भारत अखण्ड - मुरली मनोहर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अंग्रेजी शासन ने देश में सांस्कृतिक विभ्रम उत्पन्न करने का प्रयास किया। उन्होने भारतीय संस्कृति पर आघात कर भारत को खण्डित करने का प्रयास किया। यह विचार हिंदू जागरण मंच राजस्थान क्षेत्र के मुख्य संगठक मुरली मनोहर ने व्यक्त किए। मुरली मनोहर प्रबुद्ध जन एवं युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि भविष्य में भी सांस्कृतिक एकता से ही अखंड भारत का मार्ग प्रशस्त होगा।अखंड भारत संकल्प एवं आंतरिक सुरक्षा' विषय पर इस सम्मेलन का आयोजन हिंदू जागरण मंच के तत्वावधान में किया गया था। मालवीय नगर स्थित पाथेय भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में त्रिवेणी धाम के स्वामी रामरिछपाल दास मुख्य अथिति रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों तथा युवाओं की उपस्थिति रही।

"कृषि उद्यमिता के लिये रसायन विज्ञान के नवाचार" विषय पर अंतः संवाद सत्र

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के रसायन विज्ञान विभाग की ओर "कृषि उद्यमिता के लिये रसायन विज्ञान के नवाचार" विषय पर अंतः संवाद सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं को उद्यमिता की महत्ता से अवगत कराते हुये, अपनी प्रतिभा प्रदर्शन के लिये प्रेरित किया। सत्र का संचालन डॉ. रवि गोयल, मुख्य परिचालन अधिकारी, सीसीएस, एनआईएएम, भारत सरकार के निर्देशन में हुआ। सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. सास्वती मुखर्जी, विपणन प्रबंधक और संचार, सीसीएस, एनआईएएम, भारत सरकार रहीं। डॉ. मुखर्जी ने सत्र के दौरान छात्राओं को कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकियों की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी, इसके अलावा कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में स्टार्ट-अप शुरू करने के लिये विभिन्न योजनाओं एवं अवसरों के बारे में बताया। सत्र में लगभग 130 छात्राएँ उपस्थित रहीं। उप-प्राचार्य (विज्ञान) डॉ. रंजना अग्रवाल ने छात्राओं को आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया।

संगीत आश्रम संस्थान में गूंजे मुकेश के सदाबहार तराने

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान की ओर से यहां संस्थान परिसर में चल रहे दो दिवसीय संगीत समारोह के दूसरे व आखिरी दिन बॉलीवुड के लेजेंडरी सिंगर मुकेश के सदाबहार गीतों की महफिल सुहाना सफर सजी। वरिष्ठ संगीत निर्देशक अमित अनुपम के निर्देशन में सजे इस कार्यक्रम में संस्थान के करीब दो दर्जन से अधिक कलाकारों ने लेजेंडरी सिंगर मुकेश के गाए गीतों को पिरोकर माहौल में सदाबहार गीतों की मेलॉडी घोल दी। कार्यक्रम में आशुतोष कौशिक ने जाने कहां गए वो दिन...., सुमित्रा अग्रवाल ने कभी-कभी मेरे दिल में...., प्रीति प्रधान ने महबूब मेरे महबूब मेरे...., वनिता हीरानी ने चल अकेला चल अकेला...., ममता शर्मा ने दिल की नजर से...., अंजना गुप्ता ने जाऊं कहां बता ए दिल...., अनुराधा बड़ाया ने मेरा प्यार भी तू है...., वरिष्ठ कलाकार ताराचंद जैन ने आंसु भरी ये जीवन की राहें...जैसे गीतों की प्रस्तुति दी। इसी प्रकार सोनू सोनी, रियांशी अग्रवाल, चन्द्रभानसिंह, लोकेश, जगदीश चन्द्र, विमर्श स्वामी, लक्ष्य शर्मा, मिन्टु मंडल, जीनस कंवर, साधना रावल, वाणी कोठारी, आराध्या सिंह,पुष्पेन्द्रसिंह, राशिका कंवर, वरुण जांगिड़ ने भी सिंगर मुकेश के गाए गीत पेश किए। संचालन वीना अनुपम ने किया। इलेक्ट्रिक पेड पर गर्वित और वरुण, गिटार पर वत्सल अनुपम व दिशा शर्मा, हारमोनियम पर सुलेमान और अंजना गुप्ता ने संगत की।

राजस्थान आवासन मंडल सीधी भर्ती परीक्षा-2023

8 से 11 सितंबर तक दो पारियों में होंगी ऑनलाइन परीक्षाएं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल में विभिन्न 258 पदों पर होने वाली सीधी भर्ती परीक्षा 8 से 11 सितंबर तक प्रतिदिन दो पारियों में ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। आवासन आयुक्त एवं सचिव अल्पा चौधरी ने बताया कि चार दिन चलने वाली परीक्षा सुबह और दोपहर दो पारियों में संचालित की जाएगी। पहली पारी सुबह 9:30 से 12:30 तथा दूसरी पारी अपरान्ह 3.30 से 6:30 बजे तक आयोजित होगी। सुबह 9:30 से 12:30 तक चलने वाली पारी में अभ्यर्थी को 7 बजे तक सेंटर पर रिपोर्ट करना होगा। 8 बजे बाद परीक्षा हॉल में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी पारी 3.30 से 6.30 चलेगी, जिसमें अभ्यर्थी के लिए 1 बजे रिपोर्टिंग टाइम होगा। 2 बजे बाद परीक्षा हॉल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि 258 विभिन्न पदों के लिए कुल 59 हजार 968 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

चौधरी ने बताया कि सीधी भर्ती परीक्षा-2023 पूर्णतया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डैक, भारत सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्था) के माध्यम से सीधी भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। पूर्णतया ऑनलाइन होने वाली इस परीक्षा में किसी भी तरह की ओएमआर शीट का उपयोग नहीं किया जाएगा। राजस्थान आवासन मंडल निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा संपादित कराने के लिए संकल्पित और कटिबद्ध है।

लहरिया उत्सव में बनठन कर पहुंची महिलाएं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर के एक होटल में लहरिया उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोटक महिन्द्रा बैंक, साइन अप इवेंट्स, एंप्रेस क्लब, लिटिल प्लैनेटॉयड स्कूल और होटल जयपुर हेरिटेज मुख्य भागीदार रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पैरालिंपिक में गोल्ड मेडल विजेता शताब्दी अवस्थी, विशिष्ठ अतिथि पदमश्री गुलाबो, बीजेपी महिला मोर्चा अध्यक्ष सुमन शर्मा रही। कार्यक्रम में मिस राजस्थान 2023 वैष्णवी शर्मा, मिस राजस्थान 2022 परिधि शर्मा, ग्लोबल मिस इंटरनेशनल 2023 एशली आशीष रही। कार्यक्रम में मुख्य भूमिका साइनअप इवेंट से शैलेश अग्रवाल, एंप्रेस क्लब से खुशबू शर्मा, जयपुर हेरिटेज से मनीष खंडेलवाल, लिटिल प्लैनेटॉइड स्कूल से सुमिता खंडेलवाल की रही। कार्यक्रम में महिलाओं ने लहरिया थीम पर बन ठन के खूब मस्ती की और बाद में भोजन का आनद लिया। कार्यक्रम में देवेंद्र शर्मा ने सभी स्पॉन्सर्स आए हुए अतिथियों और उपस्थित महिलाओं का धन्यवाद दिया।

नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा सिटी पार्क में लगाए गए 100 पौधे

हर व्यक्ति एक पेड़ लगाने और देखभाल की ले जिम्मेदारी-चौधरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आवासन आयुक्त एवं सचिव अल्पा चौधरी ने कहा कि सौंदर्यीकरण और पर्यावरण सुधार के लिए सिर्फ सिटी पार्क में ही नहीं हमें अपने चारों और भी पेड़-पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाने और उसकी सार संभालने की जिम्मेदारी लेगा तभी हम पर्यावरण को संरक्षित कर पाएंगे चौधरी ने मंगलवार को नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही।

बैंक द्वारा सिटी पार्क में 100 पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा पौधे लगाने और 2 वर्ष तक स्वयं के स्तर पर उनकी जिम्मेदारी लेने का कार्य काफी सराहनीय है। उन्होंने बताया कि पार्क को घना और नैसर्गिक लुक देने के लिये यहां प्रत्येक वर्ष हजारों की तादाद में मण्डल द्वारा पौधारोपण भी किया जाता है। सिटी पार्क अपनी नैसर्गिक खूबसूरती से देश-विदेश में लोकप्रिय हो गया है। आवासन आयुक्त एवं सचिव ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा सिटी पार्क में 50 कचनार और 50 चम्पा के पौधे लगाए गए और साथ ही बैंक ने आगामी 2 वर्ष तक इन पौधों की सार संभाल की जिम्मेदारी एवं उनमें होने वाले खर्चें भी स्वयं के स्तर पर करने का आश्वासन दिया है। आवासन मण्डल के साथ सिटी पार्क में पेड़-पौधे लगाने वाली यह एसी दूसरी संस्था काम कर रही है जो खुद ही अपने पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी करेंगी।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता मनोज गुप्ता, अमित अग्रवाल, विजय अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त के. के. दीक्षित, प्रतीक श्रीवास्तव, वरिष्ठ उद्यानविज्ञ श्री दिलीप कुमार शर्मा, नेशनल हाउसिंग बैंक हैड पवन जैमन एवं प्रभारी अधिकारी रवि कुमार सिंह सहित मण्डल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

MBBS Admission Open- 2023-24
Almaty,Kazakhstan

CASPIAN INTERNATIONAL SCHOOL OF MEDICINE
Kazakhstan

KAZAKH RUSSIAN MEDICAL UNIVERSITY
Kazakhstan

Contact US

Khevanshi
MBBS Council

Office : 311, 3rd Floor, Center Tower, Central Spine , Vidhyadhar Nagar, Jaipur(Raj.)
Website : www.khevanshimbbs.com e-Mail : enquiry@khevanshimbbs.com
Call +91 805-888-1-888

जागरूक खबरें

एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज में रैगिंग रोकने के लिए टोलफ्री नम्बर जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज द्वारा छात्रा- छात्राओं की रैगिंग रोकने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए है। रैगिंग से ग्रसित कोई भी छात्रा यूजीसी के टोल फ्री हैल्प लाईन नंबर 1800-180-5522 पर अथवा कॉलेज में स्थापित टोल फ्री हैल्प लाईन नंबर 1800- 180- 6020 पर शिकायत दर्ज करवा सकता है। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज (एसएमएस) के प्रधानाचार्य एवं नियंत्राक ने बताया कि कॉलेज स्तर पर कॉलेज द्वारा एन्टी रैगिंग समिति एवं एन्टी रैगिंग दलों का गठन किया गया है। इन समितियों में कॉलेज फैकल्टी के विभिन्न सदस्य, हॉस्टलों के वार्डन, सहायक विधि परामर्शदात्राी, मनोवैज्ञानिक, शारीरिक शिक्षक, राज्य सरकार के प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, एन.जी. ओ. एवं मीडिया संवाददाता को शामिल किया गया है। इसके अलावा एक शिकायत निवारण समिति का भी गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि छात्रा-छात्राओं को पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया जायेगा।

न्यूनतम मजदूरी में 26 रुपए प्रतिदिन की बढ़ोतरी -एक जनवरी 2023 से हुई प्रभावी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार श्रमिकों को आर्थिक एवं सामाजिक सम्बल देने के लिए निरन्तर अहम निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसी क्रम में प्रत्येक श्रेणी के लिए न्यूनतम मजदूरी की दरों में 26 रुपए प्रतिदिन की बढ़ोतरी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद अब अकुशल श्रमिक को 259 रुपए के स्थान पर 285 रुपए प्रतिदिन या 7410 रुपए प्रतिमाह, अर्द्धकुशल श्रमिक को 271 रुपए के स्थान पर 297 रुपए प्रतिदिन या 7722 रुपए प्रतिमाह, कुशल श्रमिक को 283 रुपए के स्थान पर 309 रुपए प्रतिदिन या 8034 रुपए प्रतिमाह तथा उच्च कुशल श्रमिक को 333 रुपए के स्थान पर 359 रुपए प्रतिदिन या 9334 रुपए प्रतिमाह मजदूरी प्राप्त होगी। मजदूरों एवं कामगारों के आर्थिक हित को देखते हुए पुनरीक्षित दरों को एक जनवरी, 2023 से प्रभावी किया गया है। श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के तहत 56 नियोजनों में न्यूनतम मजदूरी की वर्तमान में प्रभावी दरों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जुलाई, 2021 से दिसम्बर, 2022 तक हुई 687 अंकों की वृद्धि के अनुसार न्यूनतम मजदूरी दरों में प्रतिदिन 26 रूपये की वृद्धि करने का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया था।

ई-पंजीयन प्रोजेक्ट के लिए 11.16 करोड़ रूपये स्वीकृत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के ई-पंजीयन प्रोजेक्ट के विकास कार्य हेतु मानव संसाधन की 2 वर्षीय परियोजना के लिए 11.16 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में परियोजना के कम्प्यूटराइजेशन एवं इससे संबंधित संचार व्यय के लिए 5 करोड़ रूपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान का भी अनुमोदन किया है। गहलोत की इस स्वीकृति से पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के कामकाज ऑनलाइन होंगे, जिससे आमजन के संपत्ति पंजीकरण के कार्य त्वरित गति से हो सकेंगे।

सार्वजनिक निर्माण विभाग की पदोन्नति बैठक आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग सदस्य जसवंत सिंह राठी की अध्यक्षता में सोमवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग की पदोन्नति समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल-मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता एवं सहायक अभियंता पदों हेतु वर्ष 2023-24 के पदोन्नति प्रकरणों पर विचार के लिए नियमित डीपीसी तथा अधिशाषी अभियंता के वर्ष 2010-11 से 2016-17, 2020-21 से 2022-23 एवं अधीक्षण अभियंता के पदों हेतु वर्ष 2021-22 व 2022-23 के पदौन्नति प्रकरणों पर विचार के लिए रिव्यु डीपीसी का आयोजन गया। बैठक में प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग वैभव गालरिया, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अजमेर राजेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग संजीव माथुर सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मत्स्य विकास अधिकारी एवं सहायक मत्स्य विकास अधिकारी भर्ती 2019 की साक्षात्कार तिथि जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मत्स्य विभाग की मत्स्य विकास अधिकारी एवं सहायक मत्स्य विकास अधिकारी भर्ती-2019 के पदों की साक्षात्कार तिथि जारी कर दी गई है। आयोग सचिव ने बताया कि मत्स्य विकास अधिकारी के 6 पदों के लिए साक्षात्कार 20 सितंबर 2023 को आयोजित किए जाएंगे।

राज्य स्तरीय संस्कृत विद्वान समारोह: 29 संस्कृत विद्वानों का हुआ सम्मान

संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध-कल्ला

11 हजार से 1 लाख तक नकद पुरस्कार दिए

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले 29 विद्वानों को मंगलवार को सम्मानित किया गया। जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला, मुख्यमंत्री सलाहकार डॉ राजकुमार शर्मा, खोजी पीठाचार्य श्रीराम रिछपाल दासजी महाराज और जगद्गुरु रामानंदाचार्य, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे के साथ ही बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन मौजूद।

इस दौरान शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा संस्कृत लगभग सभी भाषाओं का मूल स्त्रोत है। इसलिए संस्कृत भाषा को सभी भाषाओं की जननी भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु ने भी संस्कृत और संस्कृति को भारत की पहचान बताया था। वहीं ष्टरूअशोक गहलोत ने संस्कृत भाषा के संवर्द्धन के लिए 20 नए संस्कृत महाविद्यालय खोले है। जिससे युवाओं को संस्कृत भाषा में उच्च शिक्षा ग्रहण करने और रोजगार प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं। राज्य में 2 लाख से अधिक विद्यार्थी संस्कृत भाषा में अध्ययनरत है। सम्मान समारोह में नवलगढ़ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा, त्रिवेणी धाम के श्री खोजी पीठाचार्य श्रीराम रिछपाल दासजी महाराज और जगद्गुरु रामानंदाचार्य, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने अपना सम्बोधन दिया। सम्मान समारोह में संस्कृत साधना शिखर- सम्मान के लिए चयनित विद्वान पंडित सांवर मल शर्मा को एक लाख रुपए पुरस्कार राशि और संस्कृत साधना सम्मान के लिए डॉ. दीरघराम रामस्नेही और डॉ. गजानन मिश्र को 51-51 हजार रुपए की राशि के पुरस्कार दिए गए। जबकि संस्कृत- विद्वत्सम्मान के लिए डॉ. विश्वम्भर दयाल जोशी, डॉ. शीतल चन्द जैन, प्रो. भगवती सुदेश, कौशलदत्त शर्मा, पं. गौरीशंकर शर्मा और डॉ. देवेन्द्र चतुर्वेदी को 31-31 हजार रुपए राशि पुरस्कार दिए गए। इसी तरह संस्कृत युवा प्रतिभा पुरस्कार से डॉ. पंकज कुमार व्यास, डॉ. छाजू राम गुर्जर, डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा, शिवकुमार त्रिपाठी, डॉ. रामप्रियदास रामस्नेही, डॉ. गिर्राज प्रसाद गौड, दीपक भारद्वाज, नरेन्द्र कुमार दोतोलिया, डॉ श्रीकृष्ण शर्मा, डॉ. संकल्प मिश्र, पं. सुरेश कुमार गौड, महेश कुमार शर्मा को 21-21 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई। वहीं राजेश तिवाड़ी, कुलदीप मिश्र, गजानंद शर्मा को श्रेष्ठ मंत्रालयिक सम्मान से सम्मानित कर 11 हजार रुपए नकद पुरस्कार दिया गया।

राजस्थान के स्कूल शिक्षा विभाग ने बनाया एक और विश्व कीर्तिमान

'गुड टच बैड टच' पर इस अभियान से बच्चे सुरक्षित और विजिलेंट होंगे- शिक्षा राज्यमंत्री

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गत 26 अगस्त को प्रदेश की 65 हजार 122 सरकारी स्कूलों में नो बैग डे के तहत एक ही दिन में 58 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 'असुरक्षित स्पर्श' के बारे में जागरूक करने की गतिविधि को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में विश्व कीर्तिमान के रूप में दर्ज किया गया है। शिक्षा राज्यमंत्री जाहिदा खान को मंगलवार को शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन में आयोजित कार्यक्रम में इस विश्व रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने सौंपा।

इस मौके पर शिक्षा राज्यमंत्री खान ने कहा प्रदेश की स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित बनाने और इंसानियत की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण कदम है, इससे बच्चे विजिलेंट और सुरक्षित होंगे, ऐसे कार्यों की समाज को बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में प्राइवेट स्कूलों में भी यह कार्यक्रम चलाया जाएगा, वहीं पेरेंट्स को भी अवेयर करने की पहल की जाएगी। उन्होंने 'गुड टच बैड टच' जैसे संवेदनशील विषय पर वृहद स्तर पर बच्चों में जागरूकता पैदा करने की मुहिम चलाते हुए विश्व कीर्तिमान बनाने पर शासन सचिव नवीन जैन और शिक्षा विभाग की पूरी टीम की मेहनत, प्रयासों और योगदान की सराहना की। शासन सचिव नवीन जैन ने बताया गत शनिवार को प्रदेश की 65 हजार 122 सरकारी स्कूलों में नो बैग डे के तहत प्रातः 8 से 12 बजे के बीच एक लाख से अधिक सेशंस में 58 लाख से अधिक बच्चों को 'असुरक्षित स्पर्श' के बारे में जागरूक और प्रशिक्षित किया गया। इस एक्टिविटी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के इंडिया एडिशन द्वारा विश्व कीर्तिमान के रूप में दर्ज किया गया है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग की विशिष्ट सचिव श्रीमती चित्रा गुप्ता, स्कूल शिक्षा निदेशक कानाराम, संयुक्त शासन सचिव किशोर कुमार सहित अन्य अधिकारी और कार्मिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक

अब पार्ट टाइम कार्मिकों को भी मिलेंगे सेवानिवृत्ति परिलाभ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। इसमें राजस्थान पार्ट टाइम कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग रूल्स-2023 का अनुमोदन, जयपुर में जेम बोर्स की स्थापना तथा विभिन्न संस्थाओं को भूमि आवंटन जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। साथ ही, जीव जन्तु कल्याण बोर्ड का नाम अमृता देवी राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड करने का भी बड़ा फैसला किया गया है।

अब पार्ट टाइम कार्मिकों को 3 लाख रुपए तक मिलेंगे परिलाभ

मंत्रिमंडल ने राजस्थान पार्ट टाइम कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग रूल्स-2023 के प्रारूप का अनुमोदन किया है। इसमें पार्ट टाइम कार्मिकों को सेवा समाप्ति पर 2 से 3 लाख रुपए तक का आर्थिक सहायता पैकेज मिलेगा। ये परिलाभ विभागों में कार्यरत पार्ट टाइम कार्मिकों को सेवा समाप्ति, मृत्यु एवं सेवानिवृत्ति पर दिए जाएंगे। इन नियमों के बनने से पार्ट टाइम कार्मिकों की भर्ती में पारदर्शिता आएगी और उन्हें आर्थिक संबल भी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, कुक, फर्राश आदि जैसे पार्ट टाइम कार्यरत मानदेय कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से राजस्थान पार्ट टाइम कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग रूल्स-2023 की घोषणा की थी।

जयपुर में बनेगा राज्य का पहला जेम बोर्स, 60 हजार को मिलेगा रोजगार

मंत्रिमंडल ने जयपुर में जेम बोर्स की स्थापना व विकास के लिए लगभग 44 हजार वर्ग मीटर भूमि आरक्षित दर पर उपलब्ध करवाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। यह भूमि जेम बोर्स की स्थापना के लिए गठित जयपुर जेम एंड ज्वैलरी बोर्स (एसपीवी) को औद्योगिक आरक्षित दर से 3 गुना दर पर 99 वर्ष की लीज पर आवंटित की जाएगी। इससे रत्नों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। लगभग 60 हजार लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे राज्य के आर्थिक विकास और उन्नति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

जीव जन्तु कल्याण बोर्ड का नाम अब अमृता देवी राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड

राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड का नाम अब ''अमृता देवी राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड'' होगा। मंत्रिमंडल ने श्रीमती अमृता बिश्नोई द्वारा जीव जन्तु व वन रक्षार्थ दिए बलिदान व जीवों के प्रति समर्पण भाव को आमजन तक पहुंचाने के लिए बोर्ड के नाम में संषोधन का अहम निर्णय लिया है। इससे आमजन को जीव-जन्तु कल्याण के लिए प्रेरणा मिलेगी।

नेत्रहीन विकास संस्थान को होगी नि:शुल्क भूमि आवंटन

मंत्रिमंडल ने नेत्रहीन विकास संस्थान द्वारा संचालित प्रज्ञा चक्षु उच्च प्राथमिक विद्यालय, फलौदी को नि:शुल्क भूमि आवंटन का फैसला किया है। इस निर्णय से विद्यालय में अध्ययनरत नेत्रहीन विद्यार्थियों को छात्रावास में रहकर शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिल सकेगी।

जिला महिला विकास अभिकरणों के 9 परियोजना निदेषक अब माने जाएंगे राज्य कर्मचारी

मंत्रिमंडल ने राजस्थान सिविल सेवा (महिला विकास परियोजना में परियोजना निदेषकों, परियोजना अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों का विषेष चयन एवं सेवा की विषेष षर्तें) नियम, 1984 के अंतर्गत चयनित/नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति तिथि से नियमित किए जाने का निर्णय लिया है। इससे जिला महिला विकास अभिकरणों के 9 परियोजना निदेषकों को नियुक्ति तिथि से नियमित राज्य कर्मचारी माना जाएगा। साथ ही, उन्हें राज्य कर्मचारियों की तरह वेतन भत्ते एवं अन्य परिलाभ पारिणामिक लाभों सहित प्राप्त हो सकेंगे।

तत्पदम उपवन प्रा. लि. को पार्किंग के लिए आवंटित होगी भूमि

मंत्रिमंडल के निर्णयानुसार नाथद्वारा क्षेत्र में विशाल उद्यान निर्माण एवं एम्यूजमेंट पार्क परियोजना के लिए तत्पदम उपवन प्रा.लि. कम्पनी को 6970 वर्ग मीटर भूमि पार्किंग प्रयोजनार्थ उपलब्ध करवाई जाएगी। यह भूमि कम्पनी को 10 प्रतिशत की दर से आवंटित की जाएगी।

ANCHOR | विद्युत निगम का विचार विमर्श

राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के बीच बिजली के क्षेत्र में बढेगा सहयोग

हिमाचल सीएम के प्रिन्सिपल एडवाईजर राम सुभाग सिंह ने प्रदेश के विद्युत निगमों के अधिकारियों के साथ किया विचार-विमर्श

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव व वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रिन्सिपल एडवाईजर राम सुभाग सिंह ने विद्युत भवन में राजस्थान के ऊर्जा परिदृश्य की जानकारी प्राप्त करते हुए दोनो राज्यों के बीच बिजली क्षेत्र में सहयोग बढाने को लेकर विद्युत निगमों के अधिकारियों से चर्चा की। विद्युत भवन में आयोजित बैठक में ऊर्जा विभाग के सलाहकार ए.के.गुप्ता, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबन्ध निदेशक अनिल ढाका, राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबन्ध निदेषक एम.एम.रणवा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबन्ध निदेशक अनिल ढाका ने रिन्यूएबल एनर्जी से विद्युत के उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे प्रभावी प्रयासों एवं जारी की गई नीतियों के फलस्वरुप देशभर में प्राप्त हुई उपलब्धियों के बारें में प्रजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी गई। उन्होंने प्रदेश की अक्षय ऊर्जा नीति के तहत विकासकर्ताओं को दी जाने वाली रियायतें व विकासकर्ताओं द्वारा राज्य में निवेष हेतु किए गए एमओयू के बारे में बताया। इसके साथ ही श्री ढाका ने राज्य में 2030 तक अक्षय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य एवं अभी तक स्थापित परियोजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।राजस्थान ऊर्जा विकास निगम के प्रबन्ध निदेशक एम.एम.रणवा ने राज्य के विद्युत परिदृश्य के बारे में प्रजेन्टेशन दिया, जिसमें विद्युत की मांग, मांग में सीजनल वेरिएशन एवं विद्युत आपूर्ति हेतु किए गए प्रबन्धों के बारे में बताया। उन्होंने विद्युत की कुल स्थापित क्षमता व किन-किन क्षेत्रों से विद्युत की उपलब्धता होती है और राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली की खपत के बारे में भी जानकारी दी गई। बैठक में हिमाचल व राजस्थान की विद्युत की मांग के पैटर्न व विद्युत उपलब्धता के बारें मे अवगत कराया और दोनो राज्य परस्पर एक दूसरे की विद्युत मांग को पूरा करने में किस तरह सहायता कर सकते हैं इस पर भी विस्तार से चर्चा की गई। राम सुभाग सिंह ने ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान राज्य की नीतियों की वजह से निवेशकर्ताओं के बढ रहे रुझान व प्रभावी विद्युत प्रबन्धन की सराहना करते हुए कहा कि आज अधिकारियों के साथ अच्छा इन्टरएक्षन रहा।

सम्पादकीय

हिन्दुस्तान की सूझबूझ

साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में आखिर इसके विस्तार का फैसला हो गया। फैसले के मुताबिक पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के इस संगठन में अगले साल 1 जनवरी को छह नए सदस्य- अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई- जुड़ जाएंगे। वैसे ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से हो रही है। 2009 में इस संगठन के अस्तित्व में आने के एक साल बाद यानी 2010 में ही इसमें साउथ अफ्रीका को जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही नए सदस्यों की एंट्री पर जब-तब चर्चा होती रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह मुद्दा काफी जोर पकड़ चुका था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। एक तो यह कि ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या बढ़ती चली गई। 22 देश इस मंच का हिस्सा बनने के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। 40 से ज्यादा देश इसकी इच्छा जता चुके हैं। दूसरी वजह यह रही कि बदले वैश्विक हालात के मद्देनजर चीन इस पर बहुत जोर दे रहा था। इसे देखते हुए यह आशंका जताई जा रही थी कि शायद भारत इस मसले पर ज्यादा पॉजिटिव रुख न दिखाए। चीन के सरकार नियंत्रित मीडिया ने कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी लगा दिया कि वे नहीं चाहते विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। अब ब्रिक्स का विस्तार करने का फैसला किया गया है। अब ब्रिक्स देशों में 6 नए देश अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई जुड़ जाएंगे।

बहरहाल, इन अटकलबाजियों से अलग भारत पहले ही साफ कर चुका था कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या लॉबी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। ध्यान रहे, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस अजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। हालांकि इसके बावजूद इस फैसले में निहित चुनौतियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। एक तरफ यह आशंका है कि इन नए सदस्यों में से कई देशों के साथ अपनी करीबी की बदौलत चीन इस मंच पर अपना दबदबा बढ़ाने का प्रयास कर सकता है तो दूसरी तरफ कुछ हलकों में यह संदेह भी है कि चीन, रूस और ईरान जैसे देशों के प्रभाव में इसे पश्चिमी देशों के खिलाफ एक मंच के रूप में इस्तेमाल न किया जाने लगे। इन आशंकाओं और संदेहों के बीच सभी देशों के हितों में सामंजस्य स्थापित करते हुए बेहतर विश्व सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस मंच को निश्चित रूप से ज्यादा परिपक्व और दूरदर्शितापूर्ण नजरिया अपनाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट लैंगिक पहचान को एक व्यक्ति के आत्मसम्मान के लिए बेहद आवश्यक बता चुका है। इसी क्रम में शीर्ष अदालत ने ट्रांसजेंडर लोगों को पुरुष, महिला या थर्ड जेंडर के रूप में अपने लिंग की स्वयं पहचान करने का अधिकार देते हुए उन्हें थर्ड जेंडर घोषित किया था।

अपनी पहचान खुद चुनने की आजादी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

लिंग और लैंगिक पहचान में परिवर्तन कराने की आजादी को इलाहाबाद हाई कोर्ट से हाल ही महत्वपूर्ण और बड़ा समर्थन मिला है। अदालत ने सर्जरी की मदद से अपना लिंग बदलने को संवैधानिक अधिकार बताया है। मामला उत्तर प्रदेश पुलिस के एक कांस्टेबल का है जिन्होंने अदालत से लिंग परिवर्तन की अनुमति दिलाने की अपील की थी। कांस्टेबल को जन्म पर महिला लिंग का घोषित किया गया था, लेकिन उन्होंने अदालत को बताया कि वो महसूस एक पुरुष जैसा करते हैं। यहां तक कि उन्हें महिलाओं के प्रति आकर्षण भी महसूस होता है। उन्होंने अदालत को बताया कि वो जेंडर डिस्फोरिया (लैंगिक असंतोष) महसूस करते हैं और इन कारणों से 'सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी (एसआरएस)' करवा कर एक पुरुष के रूप में अपनी पहचान को पूरी तरह से अपना लेना चाहते हैं।

अब इलाहाबाद हाई कोर्ट ने साफ कहा है कि कोई व्यक्ति अपने शरीर और अपने व्यक्तित्व में सम्पूर्ण मिसअलाइंमेंट महसूस करता/करती है, तो ऐसे व्यक्ति को सर्जिकल हस्तक्षेप के जरिये अपने लिंग को बदलवाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।

कांस्टेबल ने 11 मार्च, 2023 को अपने विभाग में एसआरएस कराने के लिए अनुमति का आवेदन दिया था, लेकिन उस पर फैसला नहीं लिया गया। इसके बाद उन्होंने अनुमति के लिए अदालत के दरवाजे खटखटाए। हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एक सदस्यीय पीठ ने कहा, 'अगर कोई व्यक्ति जेंडर डिस्फोरिया से पीड़ित है और शारीरिक बनावट को छोड़ कर उसकी भावनाएं और गुण सब विपरीत लिंग के हैं, और ऐसा इस हद तक है कि व्यक्ति अपने शरीर और अपने व्यक्तित्व में सम्पूर्ण मिसअलाइंमेंट महसूस करता/करती है, तो ऐसे व्यक्ति को सर्जिकल हस्तक्षेप के जरिये अपने लिंग को बदलवाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।'

कांस्टेबल के वकील ने अदालत में नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसे ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों के मामले में एक ऐतिहासिक फैसला माना जाता है। वकील ने कहा कि इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक पहचान को एक व्यक्ति के आत्मसम्मान के लिए बेहद आवश्यक बताया था। गौरतलब है कि इसी मामले में शीर्ष अदालत ने ट्रांसजेंडर लोगों को पुरुष, महिला या थर्ड जेंडर के रूप में अपने लिंग की स्वयं पहचान करने का अधिकार देते हुए उन्हें थर्ड जेंडर घोषित किया था।

सभी दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) को आदेश दिया कि इस मामले में फैसला रोक के रखने का कोई औचित्य नहीं है।

न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि यदि कोई व्यक्ति लिंग डिस्फोरिया से पीड़ित है और शारीरिक संरचना को छोड़कर, उसकी भावना और विपरीत लिंग के लक्षण इतने अधिक हैं कि ऐसा व्यक्ति शरीर के साथ अपने व्यक्तित्व को पूरी तरह से मिस अलायमेंट महसूस करता है तो ऐसे व्यक्ति के पास सर्जिकल हस्तक्षेप के माध्यम से अपना लिंग बदलवाने का संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त अधिकार होता है।

इस तरह अब देश में किसी भी पुरुष अथवा स्त्री के लिए अपना लिंग बदलने की दिशा में उठाए गए कदम को संवैधानिक अधिकार के तौर पर देखा जाएगा। अगर इस अधिकार को ना माना गया तो इससे लैंगिक पहचान विकार सिंड्रोम के बने रहने का अंदेशा रहेगा। कभी-कभी यह समस्या घातक रूप ले सकती है, क्योंकि ऐसे व्यक्ति को विकार, एंजायटी, डिप्रेशन, नकारात्मक सेल्फ इमेज और अपनी सेक्सुअल शरीर रचना से नफरत हो सकती है। कभी-कभी किसी की यौन शारीरिक रचना के प्रति नापसंदगी भी हो सकती है। यदि इस तरह के संकट को कम करने के लिए मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप विफल हो जाते हैं, तो सर्जिकल हस्तक्षेप करना चाहिए और इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

देश में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत सरकार को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का इंतजाम करना चाहिए। इसमें एसआरएस, हार्मोनल थेरेपी और सर्जरी के पहले और बाद में काउंसलिंग भी शामिल है। लेकिन असलियत यह है कि अधिकांश ट्रांसजेंडर इस तरह की सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं। ज्यादातर लोग सरकारी प्रक्रिया के डर की वजह से आवेदन देने की हिम्मत ही नहीं उठा पाते हैं और जो उठाते हैं वो लंबे समय तक इसमें फंसे रह जाते हैं।

यहां यह जान लेना भी दिलचस्प होगा कि सैक्स चेंज यानी लिंग परिवर्तन भले ही अब भी बहस का मुद्दा हो, लेकिन इस बीच दुनिया में पहले लिंग परिवर्तन को 70 साल पूरे हो गए हैं। वर्ष 1952 में हुए इस पहले लिंग परिवर्तन में ऑपरेशन के साथ-साथ हार्मोन थैरेपी भी की गई थी। न्यूयॉर्क के एक शांत से दिखने वाले लड़के जॉर्ज योर्गेंसन ने अमरीका को झकझोर दिया था, जब वो डेनमार्क से ग्लैमरस क्रिस्टीन बन कर लौटे। दुबई-पतली काया वाली 27 वर्षीय क्रिस्टीन फर का कोट पहने हुए न्यूयॉर्क के हवाई अड्डे पर उतरीं। उस वक्त अमरीका के एक अखबार ने इस खबर को शीर्षक दिया- 'पूर्व सैनिक बन गया सुनहरे वालों वाली सुंदरी!'

योर्गेंसन का बचपन बहुत अच्छा बीता, लेकिन किशोर अवस्था में ही उन्हें विश्वास हो गया है कि वो एक गलत शरीर में क़ैद हैं। योर्गेंसन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि जब वो जॉर्ज की तरह जिंदगी जी रही थीं, तो पुरुषों के प्रति आकर्षण महसूस करने के बावजूद उन्हें बहुत बुरा लगता था जब पुरुष उन्हें यौन संबंधों के प्रस्ताव देते थे। आखिरकार 1940 के दशक में उन्होंने लिंग परिवर्तन के लिए सर्जरी कराने का फैसला किया और इसके लिए उन्होंने डेनमार्क के डॉक्टर क्रिस्टियान हैमबर्गर की सहायता ली। अपने लिंग परिवर्तन के बाद उन्होंने अपने माता-पिता को लिखा था, 'कुदरत की गलती को मैंने सुधार दिया है। और अब मैं आपकी बेटी हूं।' उनके परिवार ने भी उनका साथ दिया। उम्मीद की जा सकती है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद हमारे देश में भी घुटन भरी जिंदगी जीने वाले ऐसे लोगों को अब समाज और परिवार का प्यार मिलेगा।

(ये लेखक के स्वयं के विचार है)

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए गंभीर प्रयास जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वायु प्रदूषण एक ऐसी समस्या है, जिससे होने वाली मौतों और नुकसान का पता लगाने का कोई सटीक वैज्ञानिक आधार फिलहाल मौजूद नहीं है। यह एक ऐसी बीमारी बन चुका है, जो 24 घंटे हमें नुकसान पहुंचा सकती है। सीएसई के एक डाटा के अनुसार, केवल दिल्ली जैसे बड़े शहर ही नहीं, बल्कि अब छोटे शहरों में भी वायु प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। हालांकि दिल्ली और एनसीआर अभी भी वायु प्रदूषण के मामले में टॉप पर बने हुए हैं। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि देश में हवा की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। वायु प्रदूषण के कारण बहुत सारे लोगों खासकर सांस के मरीजों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। दुनिया में वायु प्रदूषण मृत्यु का एक बड़ा कारक है। इसकी वजह से साल 2019 में दुनियाभर में लगभग 90 लाख लोगों की समय से पहले ही मौत हुई। इसका खुलासा एक वैश्विक रिपोर्ट में हुआ था। साल 2000 के बाद से ट्रकों, कारों और उद्योगों से आने वाली गंदी हवा के कारण मरने वालों की संख्या में 55 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाले देश चीन और भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के मामले सबसे ज्यादा हैं। यहां हर साल लगभग 2.4 मिलियन से 2.2 मिलियन मौतें वायु प्रदूषण से होती हैं। वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण से 66.7 लाख लोगों की मौत हुई। वहीं लगभग 17 लाख लोगों की जान खतरनाक केमिकल के इस्तेमाल की वजह से गई। द लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार, कुल प्रदूषण से होने वाली मौतों के लिए शीर्ष 10 देश पूरी तरह से औद्योगिक देश हैं। साल 2021 में अल्जीरिया ने पेट्रोल में लेड पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन मुख्य रूप से लेड-एसिड बैटरी और ई-कचरे के रिसाइक्लिंग प्रोसेस के कारण लोग इस जहरीले पदार्थ के संपर्क में रहते हैं। ज्यादातर गरीब देशों में इस प्रकार से होने वाली मौतों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। लेड यानी कि सीसे के संपर्क में आने से लगभग सभी शुरुआती मौतों का कारण हृदय रोग रहता है। इसके संपर्क में आने से धमनियां सख्त हो जाती हैं। यह मस्तिष्क के विकास को भी नुकसान पहुंचाता है। भारत की बात करें तो यहां पर वायु प्रदूषण का स्तर विश्व में सर्वाधिक है, जो देश के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए भारी खतरा है। भारत की लगभग पूरी आबादी (140 करोड़) अपने चारों ओर हवा में हानिकारक स्तर पर मौजूद पीएम 2.5 कणों के संपर्क में हैं, जो सबसे खतरनाक वायु प्रदूषक है और विभिन्न स्त्रोतों से निकलकर हवा में फैल रहा है। एक अनुमान के अनुसार, घर के भीतर मौजूद प्रदूषित हवा के कारण साल 2019 में 17 लाख भारतीयों की अकाल मृत्यु हो गई। वायु प्रदूषण के कारण हुई घातक बीमारियों के चलते खोए हुए श्रम की लागत 30 से 78 अरब डॉलर थी, जो भारत की जीडीपी का लगभग 0.3-0.9 प्रतिशत है।

'बोर्ड' के बोझ से मुक्त होना चाहिए शिक्षा का स्तर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

केन्द्र सरकार की ओर से बीते दिनों जारी किए गए नैशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (NCF) की जो सबसे बड़ी खूबी कही जा सकती है वह है इसे तैयार करने में दिखाया गया लचीलापन। इसी साल अप्रैल में जारी किए गए इसके ड्राफ्ट पर लोगों से फीडबैक मांगा गया था। बड़े पैमाने पर फीडबैक आया भी और उस पर खुलेपन से विचार भी किया गया। यह बात उन बदलावों से स्पष्ट है जो अप्रैल में जारी ड्राफ्ट के मुकाबले बुधवार को जारी अंतिम NCF में दिख रहे हैं। ड्राफ्ट में छठी, सातवीं और आठवीं क्लास में तीन भाषाएं और नौवीं-दसवीं में दो भाषाएं पढ़ाने की बात थी, जबकि दसवीं और ग्यारहवीं में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं को लेकर कोई दिशानिर्देश नहीं दिया गया था। लेकिन फाइनल कॉपी में नौवीं और दसवीं क्लास के लिए तीन भाषाएं (दो भारतीय) जबकि दसवीं और ग्यारहवीं के लिए दो भाषाएं (एक भारतीय) पढ़ाने की बात साफ-साफ कही गई है। दूसरा महत्वपूर्ण उदाहरण वार्षिक परीक्षा व्यवस्था की जगह सेमेस्टर सिस्टम लाने का है। ड्राफ्ट में इस बदलाव को तत्काल लागू करने की सिफारिश की गई थी। लेकिन बताया जाता है कि कई राज्य इसके खिलाफ थे। उनका कहना था कि उनके इन्फ्रास्ट्रक्च र को देखते हुए यह बदलाव तत्काल करना ठीक नहीं होगा और इसलिए इस पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। इन सुझावों के अनुरूप फाइनल NCF कहता है कि लंबी अवधि में सभी बोर्डों को सेमेस्टर सिस्टम लागू करना चाहिए।एक अहम व्यवस्था जिसे ड्राफ्ट और फाइनल दोनों में जस का तस रखा गया है, 12वीं के बोर्ड एग्जाम से जुड़ी है। NCF के मुताबिक, 12वीं क्लास में बोर्ड एग्जाम साल में दो बार हुआ करेंगे। स्टूडेंट्स अपनी मर्जी और तैयारी के मुताबिक विषय चुनकर इनमें बैठ पाएंगे और बाकी विषय अगली बार के लिए रख सकेंगे। इतना ही नहीं, उन्हें दोनों परीक्षाओं में बैठने और बेस्ट स्कोर रखने का भी अधिकार होगा। जाहिर है, इस व्यवस्था का मकसद स्टूडेंट्स पर बोर्ड एग्जाम का दबाव कम करना है। संपूर्णता में देखा जाए तो NCF की तमाम सिफारिशें 2020 में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों और भावनाओं के अनुरूप हैं। NCF की भूमिका स्कूली पाठ्यक्रम, पढ़ाने के तौर-तरीके वगैरह तय करने का पैमाना तैयार करने की होती है। हालांकि शिक्षा राज्य सूची का विषय है और इसीलिए खासकर राज्य शिक्षा बोर्डों के लिए इसकी सिफारिशें बाध्यकारी नहीं हैं। फिर भी देश में स्कूली शिक्षा को बदलते दौर की जरूरतों और वैश्विक मानदंडों के अनुरूप ढालने और इसके साथ-साथ बच्चों को अपनी जड़ों से भी जोड़े रखने के लिहाज से ये खासे महत्वपूर्ण हैं। हां, यह देखना जरूरी है कि इस पर अमल करते हुए भी वह संवेदनशीलता बनाए रखी जाए जो ड्राफ्ट को अंतिम रूप देते हुए दिखाई गई ताकि व्यवहार में अगर उम्मीदों के मुताबिक नतीजे आते न दिखें तो आवश्यक फेरबदल करने में ज्यादा मुश्किल न हो।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

भगवान श्री कृष्ण ने जब द्रौपदी का प्रेम से दिया हुआ शाक खाया और कहा मैं तृप्त हो गया तब संसार भर के जीव तृप्त हो गए थे। गले तक भर गए थे, डकार लेने लगे थे। दर्वासा मुनि के साध आए उनके दस हजार सब साधुओं का पेट भर गया। धर्म की गति सूक्ष्म है, जरा सी कामना रहने पर भी कोई उन्हें पा नहीं सकता। अहंकार से ईश्वर प्राप्ति नहीं ोती। जैसे ऊंची जमीन पर बरसात का पानी नहीं ठहरता, बह जाता है। नीची जमीन में पानी जमता है, बीज उघते हैं, पेड़ होते हैं और फल लगते हैं। खूब उदार और सरल हुए बिना ईश्वर के दर्शन नहीं होते। विषय बुद्धि के रहते कोई उदार और सरल नहीं हो सकता। मिट्टी के भीतर यदि कंकड़ या बालू होगी, बर्तन बनाने की मिट्टी बनाई हुई नहीं होगी तो बर्तन छिटक जाएंगे। इसलिए कुम्हार पहले मिट्टी बनाता है, जिसमें कंकड़ या बालू न हो। शीशे पर गर्द पड़ी हुई हो तो उसमें मुंह दिखाई नहीं देगा। चित्त शुद्ध हुए बिना स्वरूप के दर्शन नहीं होते। संसार में अपना कोई नहीं, एक मात्र ईश्वर ही अपने हैं, इसलिए उन्हीं से प्रेम करो। गुरु - शिष्य को यही समझा रहे थे, तब शिष्य ने कहा-महाराज मेरी माता और स्त्री तो मेरी बहुत खातिर करती हैं। वे मुझे कितना प्यार करती हैं। वे मेरे अपने हैं। गुरु ने कहा कि यह तुम्हारे मन की भूल है। क्रमशः

ओपिनियन

जरूरत से आगे नौनिहालों के लिए नशा बनते गैजेट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

क्षमा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

लखनऊ के राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के बाल रोग विभाग ने 660 बच्चों का दो साल तक गहन अध्ययन किया है। इस अध्ययन में पांच साल तक के बच्चों को शामिल किया गया था। पता चला कि ये बच्चे एक घंटा से भी अधिक समय मोबाइल पर बिताते हैं। मोबाइल और टीवी का कुल समय पांच घंटे निकला। यही नहीं, इनके माता-पिता भी लगभग साढ़े छह घंटे विभिन्न गैजेट्स पर बिताते हैं। इसी अध्ययन में यह भी पाया गया कि 60 प्रतिशत बच्चे सोने से पहले इन उपकरणों के इस्तेमाल के आदी हो चले हैं। यह भी एक तरह का नशा ही है, जिस पर अगर समय रहते ध्यान न दिया गया, तो यह आदत आने वाली पीढ़ियों के लिए भारी मुसीबत बन सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्पष्ट सलाह है कि दो साल तक के बच्चों के हाथों में गैजेट्स या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं देने चाहिए। यहां तक कि पांच साल की उम्र में भी उनका 'स्क्रीन टाइम' एक घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। लेकिन संपन्न होते घरों में यह देखने को मिलता है कि वे इसे अपनी हैसियत से जोड़ने लगे हैं, किसके बच्चे के हाथ में किस ब्रांड का कितना महंगा मोबाइल और टैबलेट है? इससे वह अन्य बच्चों से श्रेष्ठ साबित होता है। लेकिन ऐसा करते हुए वे भूल जाते हैं कि वे अपने बच्चों का आज ही नहीं, भविष्य भी बिगाड़ रहे हैं।

अभी चंद साल पहले का वाकया है। दिल्ली के अस्पताल में एक ऐसे बच्चे को दाखिल किया गया था, जो 16-17 घंटे कंप्यूटर के सामने बिताता था। वह स्कूल भी नहीं जाना चाहता था। मना करने पर इतना गुस्सा करता कि घर में तोड़-फोड़ पर आमादा हो जाता। चिंतित माता-पिता को अंततः उसे अस्पताल में दाखिल कराना पड़ा। डॉक्टरों ने धीरे-धीरे इसके कंप्यूटर देखने के समय को घटाया। बहुत लंबी देखरेख और इलाज के बाद यह बच्चा इस 'एडिक्शन' से बाहर निकला। ऐसी खबरों की अब कोई कमी नहीं, जिनमें माता-पिता द्वारा ज्यादा मोबाइल देखने से मना करने पर बच्चे ने अपनी जान दे दी। हम आसानी से यहां-वहां यह देख सकते हैं कि माता-पिता कुछ महीनों के बच्चों को मोबाइल पकड़ा देते हैं। अब तो ऐसी दलीलें भी पेश की जाने लगी हैं कि जब तक हाथ में मोबाइल न दिया जाए या टीवी पर कार्टून शो न ऑन किया जाए, उनका बच्चा न दूध पीता है, और न सोता है। कम उम्र में स्क्रीन पर अधिक से अधिक समय बिताना बच्चों के लिए बेहद हानिकारक है। अब तक तो टीवी या कंप्यूटर ही था, जिसे माता-पिता या घर के बड़े नियंत्रित कर सकते हैं, मगर मोबाइल, टैब तो हाथ में होता है। उस पर कितना समय बिताया, यह आसानी से पता नहीं चलता। फिर अगर ये पढ़ाई का हिस्सा हो, तब कोई रोक-टोक भी कैसे की जा सकती है? एक वक्त था, जब स्कूलों में बच्चों के मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण उपजी परिस्थितियों ने बच्चों और स्मार्टफोन की दूरी घटा दी। उन दिनों माता-पिता ऐसी शिकायत करते हुए भी पाए गए कि आखिर 24 घंटे वे कैसे नजर रख सकते हैं कि बच्चे क्या देख रहे हैं? ऐसी रिपोर्टें भी आई हैं कि अपने देश में बच्चे सबसे अधिक फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। वे अश्लील वेबसाइटों के भी बड़े विजिटर हैं। इन्हें देखकर कई बच्चे ऐसे-ऐसे अपराध को अंजाम देने लगे हैं, जिनके बारे में पहले सुना नहीं जाता था। एनसीआरबी का ताजा आंकड़ा बताता है कि साल 2020 में हत्या, बलात्कार, अपहरण समेत तरह-तरह के संगीन अपराधों में संलिप्तता के आरोपी 35,352 किशोरों में से लगभग 5,000 बच्चों ने उच्च माध्यमिक कक्षा तक की पढ़ाई की थी।

वक्त आ गया है कि बच्चों के गैजेट्स इस्तेमाल करने को लेकर एक सुस्पष्ट सलाह के साथ देश में जागरूकता अभियान चलाया जाए। एक ऐसे समय में, जब स्कूलों में बच्चे अपना अधिक से अधिक समय टैबलेट, मोबाइल पर बिताएंगे, उन्हें स्क्रीन से कैसे दूर रखा जा सकता है? यदि समय के साथ उन्हें प्रतिस्पर्द्धा करनी है, तो नई-नई तकनीक से दूर नहीं किया जा सकता, मगर एक संतुलन बिठाना होगा। दिक्कत यह है कि उन्हें इस 'एडिक्शन' से बचाने की अपेक्षा उन अभिभावकों से की जा रही है, जो तकनीकी रूप से शिक्षित नहीं हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

जागरूक जनता Selfie विद सन

रूद्रांश धवन सन नीलम-संजय बैरवा, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 30/08/2023

सूर्योदय : 06:08 **सूर्यास्त** : 18:45 **चन्द्रोदय** : 18:39 **चन्द्रास्त** : 04:52 **शक सम्वत** : 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना** : श्रावण **पूर्णिमांत** : श्रावण **सूर्य राशि** : सिंह **चन्द्र राशि** : मकर **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : चतुर्दशी, 10:58 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1945 शोभकृत्**चन्द्रमास श्रावण** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2080 नल **श्रावण** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2079 आनन्द

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : धनिष्ठा, 20:39 तक
योग : अतिगंदा, 21:30 तक
प्रथम करण : वणिजा, 10:58 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 21:01 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:28 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:50 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	11:56 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:30 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:46 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:46 पी एम से
अमृत काल	02:41 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:00 पी एम से 12:45 ए एम, अगस्त 30

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास पश्चिम में
चन्द्रवास : दक्षिण
कुंभ चक्र: पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

रोग	: 06:07 - 07:42
उद्वेग वार वेला	: 07:42 - 09:17
चर	: 09:17 - 10:52
लाभ	: 10:52 - 12:26
अमृत	: 12:26 - 02:01
काल काल वेला	: 02:01 - 03:36
शुभ	: 03:36 - 05:11
रोग	: 05:11 - 06:46

रात का चौघड़िया

उद्वेग : 06:45 - 08:10
शुभ : 08:10 - 09:35
अमृत : 09:35 - 11:01
चर : 11:01 - 12:26
रोग : 12:26 - 01:52
काल : 01:52 - 03:17
लाभ : 03:17 - 04:43
उद्वेग : 04:43 - 06:08

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पूर्णिमा

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पूर्णिमा, शुक्ल, पूर्णिमांत, 2080 बुधवार, 30 अगस्त - 5 सितम्बर, 2023

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। प्रेमी जन के साथ मतभेद दूर होंगे। गलत बातों में अपना समय बर्बाद न करें। दिन की शुरुआत किसी शुभ खबर से होगी। व्यवसाय में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। बच्चे माता-पिता के आदेश का सख्ती से पालन करें। दोपहर के बाद का समय आपके लिये बहुत सुखद रहने वाला है। लम्बी दूरी की यात्रा आप कर सकते हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
कारोबार में बड़ा ऑर्डर आपको मिल सकता है। आज जॉब में मन नहीं मिलेगा। रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने के कारण मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
कृषि कार्यों से जुड़े लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। मन में साहसिक कार्य करने की इच्छाशक्ति जागृत होगी। अपनी कमियों को लेकर थोड़े कुंठित हो सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
व्यवसाय में आकस्मिक धन हानि झेलनी पड़ सकती है। मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। धर्म-कर्म के प्रति बोरियत महसूस होगी। पिता के किसी निर्णय से आप नाराज हो सकते हैं।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नये प्रोजेक्ट्स में आप निवेश कर सकते हैं। अधीनस्थ कर्मचारी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं। दूर के स्थानों की यात्रा करने के योग बन रहे हैं। प्रियजनों के साथ आप काफी अच्छा समय बितायेंगे।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
आपको धन की कमी महसूस होगी। लोगों से ज्यादा सलाह न लें वरना अनावश्यक भ्रमित हो जायेंगे। महिलाओं को अपना व्यवहार संयमित रखना चाहिये। मन में कई तरह के विचार आयेंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
घर का माहौल बहुत ही सुखमय रहेगा। कड़वी भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है। विवाहेत्तर सम्बन्धों से दूरी बनाकर रखें। क्रोध पर नियन्त्रण रखें। आपको कठोर निर्णय लेने पड़ेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
आपके रुके हुये कार्य गतिशील होने की सम्भावना है। लेपटॉप व मोबाइल आदि की स्क्रीन के सामने ज्यादा समय न बितायें। आँखों में परेशानी और सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। परिवार में सब आपसे बहुत प्रसन्न रहेंगे। किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
व्यापार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। घर का वातावरण सुखद रहेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
अपना मन सदैव शान्त रखें। स्वार्थी लोग आपके सम्पर्क में रहेंगे। इसीलिये लोगों से सोच-समझकर ही अपनी बातें शेयर करें।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

संयोजक सोमसिंह मीणा सभा को सम्बोधित करते हुए।

एसएमएस हॉस्पिटल :5 सितंबर से सामूहिक हड़ताल की चेतावनी

नर्सेज का 11 सूत्री मांगो को लेकर क्रमिक अनशन जारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मान सिंह हॉस्पिटल में सोमवार को नर्सेज ने गेट मीटिंग कर सुबह 8 से 10 बजे तक 2 घंटे का कार्य वहिष्कार किया। उसके बाद संयुक्त नर्सेज संघर्ष समिति के द्वारा जारी 42वे दिन धरने पर क्रमिक अनशन के तीसरे दिन संयोजक सोमसिंह मीणा के नेतृत्व मे मनोज दुब्बी सरोज यादव, रमाकांत शर्मा राकेश सेनी नर्सेज 11 सूत्री माँगो को लेकर धरने पर बैठे।

संयोजक सोमसिंह मीणा ने बताया कि नर्सेज की 11 सूत्री मांगो को जल्द पूरा करने लेकर प्रदेश भर से लगभग 30 हजार नर्सेज ने जयपुर कूच कर 25 अगस्त 2023 को रामलीला मैदान में महासभा/महारैली का आयोजन कर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित किया नर्सेज की प्रमुख मांगो में संविदा सेवा काल का नर्सेज को नोशनल लाभ दिया जिससे प्रदेश भर में वर्तमान में कार्यरत लगभग 30 हजार नियमित नर्सेज लाभान्वित होंगे इसके अलावा वेतन भत्ते केंद्र समान, नर्सिंग कैडर का पुनर्गठन, नर्सिंग निदेशालय की स्थापना, ड्रेस कोड चेंज सहित 11 सूत्री मांगो को लेकर प्रदेश भर की नर्सेज पिछले 3 महीने से आंदोलन रत है मीणा ने बताया कि नर्सेज की मांगो का 4 सितंबर तक समाधान नही करने पर प्रदेश भर की नर्सेज 5 सितम्बर से सामूहिक हडताल पर जायेंगे।

पिपलान्त्री में पर्यावरण महोत्सव आयोजित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राजसमंद। सांसद दीया कुमारी ने असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के सानिध्य में पिपलान्त्री पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर विकास कार्यों के लोकार्पण के साथ पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद दीया कुमारी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए असम के राज्यपाल कटारिया का स्वागत किया। सांसद ने कहा की पिपलांत्री ग्राम पंचायत ने कुछ वर्षों पूर्व एक अनूठी पहल शुरू की थी। जिसके तहत गांव मे बेटी के जन्म पर 111 पौधे और 21000 रुपये की एफ़डी करवाई जाती हैं। आज उसी योजना का परिणाम है यहां चारो तरफ हरियाली है। कार्यक्रम में परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेन्द्र सिंह, पद्मश्री श्याम सुंदर पालीवाल, अनिता कटारिया, कुम्भलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, प्रधान अरविंद सिंह, कर्णवीर सिंह राठौड़, पिपलान्त्री सरपंच अनीता पालीवाल सहित पर्यावरणविद् , ग्रामवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद सांसद दीया कुमारी ने सांसद कार्यालय में की जनसुनवाई भी की।

मंगलमुखी हनुमान मंदिर में भोलेनाथ का अलौकिक श्रंगार

जयपुर @ जागरूक जनता। जगदंबा कॉलोनी नया खेड़ा स्थित मंगलमुखी हनुमान मंदिर में भोलेनाथ की अलौकिक भव्य पुष्प श्रंगार झांकी सजाई गयी।जिसे देखने काफी संख्या में कॉलोनी वासी पधारे शशांक शर्मा ने बताया के सावन के पवित्र महीने में आठ सोमवार पर आस पास के हर शिवालय में जाकर पवित्र सावन महीने के सोमवार पर श्रंगार किया गया।इस बार मंगल मुखी हनुमान मंदिर नया खेड़ा में स्थित शिवालय का भव्य और दिव्य श्रंगार आशीष खंडेलवाल सौरभ रावत सुदीप गुप्ता अभिषेक गुप्ता कॉलोनी निवासी शशांक शर्मा भरत खुटेटा मुकुल सिंह साँचोरा अंकित अग्रवाल आदि भक्त गणों द्वारा बाबा का श्रृंगार किया गया था व सभी द्वारा आरती कर सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड पर्यावरण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पुरस्कार से सम्मानित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अपनी उपलब्धियो में एक ओर अध्याय जोड़ते हुए 14वां एक्सीड ग्रीन फ्यूचर एनवायरनमेंट एवं कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी अवार्ड 2023 अपने नाम किया। यह पुरस्कार सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा कंपनी को पर्यावरण प्रबंधन एवं सामाजिक उतरदायित्व में उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रदान किया गया। होटल ताज महल लखनऊ उत्तरप्रदेश मे आयोजित एक्सीड अवार्ड एवं कांफ्रेंस 2023 के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्पीकर यूपी लेजिस्लेटिव असेंबली सतीश महाना द्वारा कंपनी के डिप्टी मैनेजर लोकेन्द्र दवे एवं एग्जीक्यूटिव पुष्पांजलि यादव को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह अवार्ड कंपनी द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र मे प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्टों का उपयोग, हरित पटिका में विस्तार, जल सरक्षण, ऊर्जा सरक्षण, जलवायु परिवर्तन नियंत्रण तथा महिला सशक्तिकरण, शिक्षा गतिविधियां, स्वास्थ्य सेवाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया। बहू निर्णायक सदस्यों की समिति द्वारा पर्यावरणीय क्षेत्रो एवं सामाजिक उत्तरदायित्वो मे उत्कृष्ट कार्यो के लिए बिरला सीमेंट को अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए विजेता घोषित किया। ईकाई प्रमुख देवेश कुमार मिश्रा ने इस मौके पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार कंपनी द्वारा पर्यावरण एवं समग्र सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यो को दर्शाता है। साथ ही सस्टेनेबिलिटी एवं सामाजिक उतरदायित्व के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, राष्ट्रीय स्तर पर हमारी पहचान बनाती है एवं व्यवसायिक लाभों में सुधार, ग्रीन हॉउस गैसों की कटौती से हरित पर्यावरण और सामुदायिक समृद्धि को बढ़ावा देती है।

के.बी.सी स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट प्रोग्राम का आयोजन

माता-पिता बच्चों के साथ रखें स्नेहपूर्ण व्यवहार -बियानी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेज एवं सम्यक इंस्टिट्यूट के संयुक्त तत्वाधान में कौन बनेगा कलेक्टर स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रेजुएशन के साथ प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप का प्रावधान रखा गया। कार्यक्रम में कॉलेज के संस्थापक डॉ. संजय बियानी अभिभावकों से रूबरू हुए तथा आज के परिप्रेक्ष्य में बच्चों पर बढ़ता तनाव, प्रतियोगिता व इर्ष्या की भावना के बारे में बताते हुए माता पिता को इफेक्टिव पेरेंटिंग के टिप्स दिए और सभी माता-पिता को बच्चों के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि माता-पिता बच्चों के साथ जिस तरह का

व्यवहार करते हैं, उसी से उन्हें सीख मिलती है इसलिए उनके साथ अच्छा व्यवहार करें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि माता-पिता को छात्रों पर पढ़ाई के लिए दबाव नहीं डालना चाहिए बल्कि एक अच्छा इंसान बनने के लिए उनके व्यक्तित्व पर काम करना चाहिए। सभी को सीख देते हुए उन्होंने एकाग्रता, व्यक्तित्व, मानसिक शांति को बढ़ाने के लिए भागवत गीता के पाठ को दैनिक जीवन में लागू करने पर जोर दिया। कार्यक्रम को कॉलेज प्राचार्य डॉ. नेहा पाण्डे, सम्यक शाखा प्रबंधक ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान 200 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भाग लिया। साथ ही टॉप तीन बच्चों को लैपटॉप, टैबलेट और मोबाइल देने की घोषाणा भी की गई। स्कॉलरशिप के लिए विद्यार्थियों को चयन परीक्षा के आधार पर रखा गया। विद्यार्थियों के साथ उनके माता पिता ने भी प्रोग्राम में शिरकत की।

संत बाबा मेहरदास मंदिर का पांचवां स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

सैंकड़ों लोग प्रतिदिन पाते हैं नि:शुल्क भोजन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पूज्य सिंधी पंचायत मंदिर मुरलीपुरा स्कीम में चल रहे संत बाबा मेहरदास मंदिर ट्रस्ट का पांचवां स्थापना समारोह कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम में अखंड ग्रंथ साहिब पाठ का समापन कार्यक्रम हुआ, जिसमें भक्तजनों ने नाचते-गाते हुए भजनों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर अमेरिका में रह रहे अप्रवासी भारतीय लाल साधवानी ने अतिथियों का सम्मान किया। साधवानी ने संत मेरदास मन्दिर का निर्माण करवाया और 300-400 गरीब लोगों के लिए प्रतिदिन भण्डारे की व्यवस्था करवाई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रसाद वितरण के साथ ही भंडारे का

भी आयोजन किया गया। साधवानी प्रतिवर्ष स्थापना दिवस पर भारत आते हैं। इस अवसर पर लोकचंद हरिरामानी, छबलदास नवलानी, शशि हरिरामानी एवं सिंधु सेना के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पैसों से भरा पर्स लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। महज कुछ पैसों के लिए जहां भाई-भाई व दोस्तों के बीच झगड़े हो जाते हैं वहीं समाज में कुछ ऐसे लोग अभी भी हैं जो दूसरों के पैसों को अमानत समझकर उन्हें उसके असली मालिक तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों की बदौलत आज भी ईमानदारी जिंदा है। ऐसी ही ईमानदारी की एक मिसाल पेश की है पीपाड़ शहर निवासी तुलछाराम सोलंकी ने। दरअसल हुआ यूं कि भंवरी पत्नी गोबर राम निवासी रिया सेठो की इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के अंतर्गत सेट भीकमचंद मुथा राजकीय उच्च बालिका माध्यमिक विद्यालय पीपाड़ शहर में आयोजित कैंप में अपना मोबाइल फोन लेने पहुंची वहां पर आधार व जनआधार की फोटो कॉपी करवाने परिसर में स्थित कैंटीन में गई और वहां पर अपनी थैली में से दस्तावेज निकाले इस दौरान उनके साथ पॉलिथीन में रखे 15000 रुपए भी बाहर निकाल कर जमीन पर रख दिए, अपने दस्तावेजों की फोटो कॉपी करवा कर वहां से निकल गई और रुपयों की थैली वही पर रह गई। शाम

तक वह थैली वहीं पर पड़ी रही तो कैंटीन संचालक तुलछाराम सोलंकी ने उस थैली को अपने पास रख लिया और कैंप में डी ओ आई टी के प्रोग्रामर सुनील व्यास को इसकी जानकारी दी। व्यास ने कैंटीन में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक कर पूरे मामले से जानकारी शिविर प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी कंचन राठौड़ को अवगत करवाया। उपखंड अधिकारी ने भंवरी देवी को उपखंड कार्यालय में बुलाकर तुलछाराम सोलंकी के हाथों 15000 रुपए वापस सुपुर्द करवाएं। खोए हुए रुपए वापस पाकर भंवरी देवी का चेहरा खुशी से खिल उठा। सामाजिक कार्यकर्ता तुलछाराम सोलंकी की ईमानदारी की खूब प्रशंसा हुई।

पत्रकारिता के साथ पत्रकार के जीवन और परिवार को भी सशक्त करने के संकल्प के साथ एनयूजेआई का 2 दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

निर्भीक पत्रकार की लेखनी से ही लोकतंत्र मजबूत-सतीश पूनिया

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन बीते रविवार को यहां जयपुर स्थित निम्स सभागार में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में पत्रकार हितों को लेकर कई प्रस्ताव पारित किए गए। राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनियां थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वयं को मेजबान बताते हुए देश भर के 22 राज्यों से आए 1500 से अधिक पत्रकारों का स्वागत किया और कहा कि 90 के दशक में जब ऐसा अधिवेशन जयपुर में हुआ था तब वे छात्र संगठन के साथ जुड़े थे और कुर्सियां लगाई थी, आज इसी संगठन के तत्वावधान में हो रहे कार्यक्रम में वह मंच पर हैं। उन्होंने इसे पत्रकारों की कलम की ताकत बताते हुए कहा कि वे स्वयं उदाहरण हैं कि कुर्सी लगाने वाले को आज उसी मंच की कुर्सी पर बैठाया गया है। उन्होंने कहा कि खेत में किसान का पसीना गिरता है तभी फसल लहराती है, सीमा पर जवान का शौर्य दमकता है तब देश सुरक्षित रहता है, नींव में श्रमिक का पसीना गिरता है तब बुनियाद मजबूत होती है, उसी तरह सच्चे और निर्भीक पत्रकार की कलम की स्याही जब कागज पर उभरती है, तब लोकतंत्र मजबूत होता है। पूनियां ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के बाद भी पत्रकार सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं यह वाकई गहरी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि शौर्य की धरती राजस्थान से किए गए एन यू जे आई के शंखनाद में उनका पूरा सहयोग रहेगा। सच्ची और निर्भीक पत्रकारिता के लिए वे सदैव साथ खड़े नजर आएंगे। पत्रकार सुरक्षा के मुद्दे पर वे सदैव पत्रकारों के साथ हैं उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं को लेकर भी वे सहमत है और इसके निराकरण में भी वे सहयोग की भूमिका में रहेंगे। पूनियां ने भी सवाल उठाया कि जिस तरह आज सोशल मीडिया का बोलबाला बढ़ गया है, अपुष्ट सूचनाओं की बाढ़ सी आ जाती है, इन परिस्थितियों में सही और गलत पत्रकार की पहचान मुश्किल का काम है, इस जद्दोजहद का रास्ता ढूंढने की आवश्यकता है।

जार के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी, पूर्व जार की जयपुर ग्रामीण इकाई के संरक्षक रामजीलाल शर्मा, जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा, प्रेस काउंसिल इंडिया के सदस्य प्रज्ञानानंद चौधरी, प्रसन्ना मोहंती, एनयूजेआई के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी ने भी अपने विचार रखें।

फेक न्यूज़ और फर्जी पत्रकारों के खिलाफ आंदोलन चलेगा एनयूजेआई

नेशनल यूनियन का जर्नलिस्ट इंडिया (एनयूजेआई) ने ऐलान किया है कि वह फेक न्यूज़ और फर्जी पत्रकारों के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। यह ऐलान एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रासबिहारी ने दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन पर किया। उन्होंने कहा कि इसी आंदोलन के साथ छोटे और मध्यम अखबारों की आर्थिक सहायता बढ़ाने के लिए भी सरकार से आग्रह किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनयूजेआई का आंदोलन किसी सरकार के खिलाफ नहीं है, यह आंदोलन पत्रकारिता और पत्रकार के संरक्षण, सुरक्षा, पत्रकार की आजीविका, स्वास्थ्य और उसके परिवार के यथोचित जीवन यापन के नीति निर्धारण को लेकर होगा ताकि पत्रकारिता की साख बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो दिल्ली में देश भर के पत्रकार पत्रकारिता की साख बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी करेंगे। इन सभी प्रयासों में सभी पत्रकार संगठनों को साथ रहने की अपील की गई है।

निर्भीक पत्रकारिता के सहयोग को हरदम रहेंगे तत्पर, डॉ. पंकज सिंह

समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि निम्स के निदेशक डॉ. पंकज सिंह ने देश पर से आए पत्रकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि पत्रकार जागरूकता का पर्याय है, गरीब की दबी हुई आवाज को मुखर करने वाली कलम है, पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए निस्वार्थ संघर्ष करने वाली ऊर्जा है। उन्होंने कहा कि कई लोगों का व्यक्तित्व स्वतः ही पत्रकारिता के गुणों वाला होता है। उन्होंने मलाला यूसुफजई का जिक्र करते हुए कहा कि बालपन में ही दहशतगर्दों से ना डरना भी एक तरह से उसका पत्रकारिता का गुण कहा जा सकता है ऐसे व्यक्तित्व वाले ही आगे चलकर समाज में बदलाव का बिगुल बजाते हैं। उन्होंने कहा कि निर्भीक पत्रकारिता के लिए वह हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे।

जिला स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक 1 से

केकड़ी @ जागरूक जनता। नवगठित जिला केकड़ी में पहली बार जिला स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल आगामी 1 सितम्बर से 6 सितंबर तक आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आज राजकीय महात्मा गांधी स्कूल पायलट में जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद नारायण शर्मा ने आवश्यक बैठक लेकर दिशा निर्देश दिए। बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई । जिला खेल प्रभारी रामधन जाट व शारीरिक शिक्षा प्रकोष्ठ प्रारंभिक शिक्षा विजय कुमार पारीक ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियां एवं कमेटियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई जिसमें आवास समिति, भोजन समिति, क्रय समिति, खेल मैदान समिति, मीडिया प्रभारी, निर्णायक मंडल, खेल प्रभारी आदि हैं। प्रतियोगिता मीडिया प्रभारी राधेश्याम कुमावत एवं अब्दुल गफ्फार देशवाली ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अजमेर जिले की तीन नगर पालिका एवं पांच ब्लॉक की महिला पुरुष वर्ग की टीमें भाग लेगी।

स्वरूपगंज कस्बे सहित ज़िले में गोदाम की आड़ में चल रही है शराब की दुकानें

वैध गोदाम बने शराब की अवैध दुकान! प्रशासन मौन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। जिला आबकारी विभाग के सरकारी कारिदों कि मिलीभगत से ज़िले में अवैध शराब के गोदाम मानों बियर बार बन चुके है। गोदाम कि आड़ में शराब की दुकान चलाने वाले शराब व्यवसायियों को न तो किसी विभागीय कार्रवाई का डर है और न ही किसी कानूनी कार्रवाई का। दरअसल स्वरूपगंज कस्बे के भावरी पुलिये के पास विभाग द्वारा शराब का गोदाम स्वीकृत किया गया है। जिसमे शराब का स्टॉक रखा जा सकता है, परंतु आबकारी विभाग की आपसी साठगाँठ कहें या मिलीभगत उन गोदाम को ही अवैध शराब कि ब्रांच बना डाला। यह सब जिम्मेदारो को पता नही हो यह शायद ही किसी के जहन में उतरे।

जिला आबकारी विभाग की मिलीभगत के बिना कैसे संभव....?

स्वरूपगंज कस्बे के भावरी पुलिये सहित सिरोही जिले में अनेकों जगह पर गोदाम की आड़ में अवैध शराब की ब्रांचे चल रहीं हैं। ऐसे में यह सब जिला आबकारी विभाग की मिलीभगत के बिना भला कैसे सम्भव हो सकता है..? सवाल यह भी उठता है कि क्या जिम्मेदार सरकार का राजस्व बढ़ा रहें हैं या इस अवैध कृत्य को पनाह देकर खुद का राजस्व बढ़ा रहें हैं ,यह भी सोचनीय विषय है..? क्योकि बिना भारी भरकर मंथली के खेल के बिना यह सम्भव नही हो सकता..? ओर यह भी बात शायद ही किसी के जहन में उतरे की जिम्मेदारों को पता न हो, यह सबकुछ उनके आँखों के सामने चल रहा है फिर उनका मूकदर्शक होकर देखना उनकी कार्यशैली व भूमिका पर गम्भीर सवालियां निशाना खड़ा कर रहा है..?

गोदाम की आड़ में चल रहीं अवैध शराब की ब्रान्चो कि जांच करके नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।
- दिनेश गहलोत जिला आबकारी अधिकारी सिरोही

गोदाम की आड़ में चल रहीं अवैध शराब की ब्रान्चो को दिखवाता हूं, ओर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
- हरि सिंह राजपुरोहित थानाधिकारी स्वरूपगंज

जवाब मांगते यह गम्भीर सवाल

क्या जिम्मेदार रसूखात के आगे नतमस्तक होकर यूही बैठेंगे? क्या जिम्मेदार हर शराब की अवैध ब्रांच से लेते हैं भारी भरकर मंथली? कई इस मंथली के खेल की वजह से तो कार्रवाई करने से नहीं कतरा रहें? यदि नहीं लेते मंथली तो फिर अवैध कृत्य पर, अवैध ब्रान्चो पर और तय समय बाद शराब बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने में क्या हर्ज? साथ ही तय समय के बाद भी खुलेआम शराब की ज़िले में बिक्री हो रहीं हैं, फिर भी जिम्मेदार महकमा यह सबकुछ आँखे बंद करके देख रहा है।

एक लाईसेंस दो ब्रांच

शराब की दुकानों पर एमआरपी से ज्यादा वसूली की शिकायत हो या रात आठ बजे बाद और सुबह दस बजे से पहले शराब बेचना आम बात हो गई है फिर भी कोई कार्रवाई न होना। शराब गोदामों को भी आम दुकानों की तरह चलाया जा रहा है। एक लाइसेंसधारी दो-दो ब्रांच चला रहे हैं।

शिक्षण संस्थान के 100 गज की परिधि में तंबाकू विक्रय, सेवन निषेध

दौसा @ जागरूक जनता। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ दौसा एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दौसा जिले के 5 ब्लॉक दौसा, सिकराय, बांदीकुई, लालसोट एवं महवा क्षेत्र में निजी, राजकीय विद्यालयों/ महाविद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय एवं तंबाकू मुक्त महाविद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया गया, दौसा जिला क्षेत्र में स्कूल कॉलेज में सोसाइटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिषद के 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाकर विधार्थियो व शिक्षको का आमुखीकरण किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में सोसाइटी के परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधी गौरव मिश्रा, वैभव मिश्रा, हेमलता शर्मा द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया गया है साथ ही समस्त विद्यालयों को कोटप्पा अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी दी गई।

शाहरुख खान की जवान से 'नॉट रमैया वस्तावैया' गाना रिलीज

मुम्बई @ जागरूक जनता। #AskSRK सेशन के दौरान शाहरुख खान ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान के अपकमिंग गीत 'नॉट रमैया वस्तावैया' की झलक के साथ अपने प्रशंसकों को शानदार सरप्राइज दिया था। इसके बाद गाने की प्रत्याशा को बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने एक टीज़र के जरिए फिल्म के तीसरे गाने की एडिशनल झलकियां जारी कीं, जिसने दर्शकों को इसके रिलीज के लिए बेसब्र कर दिया। और अब आखिरकार दर्शकों का इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि 'नॉट रमैया वस्तावैया' गाना रिलीज हो गया है। 'नॉट रमैया वस्तावैया' गाना निश्चित रूप से एक शानदार पार्टी नंबर होने के अपने वादे पर खरा उतरा है।

तम्बाकू के दुष्परिणामों से विद्यार्थियों को करवाया अवगत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में चित्तौड़गढ़ जिले के 11 ब्लॉक राशमी, गंगरार, निंबाहेड़ा, कपासन, भोपाल सागर, भदेसर, डूंगला, चित्तौड़गढ़, बड़ी सादड़ी, बेगू, रावतभाटा क्षेत्र में निजी एवं सरकारी विद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया जा रहा है जिले के विद्यालयों में सोसायटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिसर में 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ निबंध प्रतियोगिता तंबाकू कार्यर्‍ म के अंतर्गत विद्यालय मूल्यांकन प्रपत्र भी भरा जा रहा है। एवं तंबाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई जा रही है। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया क्षेत्र में सोसाइटी के प्रतिनिधि बतौर गौरव मिश्रा एवं वैभव मिश्रा उक्त कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं। विद्यालय कमेटी द्वारा प्रथम तीन स्तर पर विद्यार्थियों का चयन किया गया इन विद्यार्थियों को बैग व प्रमाण पत्र तथा अन्य विद्यार्थियों को पारितोषिक के रूप में पेन पेंसिल इरेजर सॉपनर आदि का वितरण किया गया। कोटप्पा अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी दी गई एवं समस्त स्टाफ और विधार्थियो को तंबाकू मुक्त परिसर रखने एवं तंबाकू उत्पादों का सेवन नही करने के लिए शपथ दिलवाई गई कार्यक्रम के आयोजन में बच्चो ने बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लिया।

नर्सिंग छात्रा अनमोल ने जूड़ो में जीता स्वर्ण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान जूडो एसोसिएशन के तत्वाधान में 22-24 अगस्त, 2023 को राज्य स्तरीय राजस्थान स्टेट जूनियर पुरुष एवं महिला जूडो चैंपियनशिप डीडवाना, नागौर में आयोजित की गई। जिसमें जी.एल. सैनी नर्सिंग संस्थान जयपुर, राजस्थान की जी.एन.एम द्वितीय वर्ष छात्रा अनमोल मीणा ने 78 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय परिवार की ओर से यशपाल यश ,दीपांकर यश, हितेश गौतम, डॉ.मनमीत सिंह, डॉ.सलाउद्दीन, कृष्णकांत सोनी, सुनील, दिवाकर, अरविंद, मधुकर, पवन, धीरज, राजीव, रविकांत, लवकुश, मुस्कान, महिमा, प्रशांत, ईश्वरीप्रसाद, राजेश व नीरज ने अनमोल को बहुत बहुत बधाई दी। महाविद्यालय में छात्रा अनमोल समय समय पर छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रेरित करती है। पिछले वर्ष नवंबर 2022 भरतपुर में आयोजित चैंपियनशिप में अनमोल ने कांस्य पदक जीता था।

राखी का त्यौहार

प्रीत के धागो के बंधन में,
स्नेह का उमड़ रहा संसार,
सारे जग में सबसे सच्चा,
होता भाई बहन का प्यार,
नन्हे भैया का है कहना,
राखी बांधो प्यारी बहना
सावन की मस्तीली फुहार,
मधुरिम संगीत सुनती है,
मेघों की ढोल ताप पर,
वसुंधरा मुस्काती है
आया सावन का महीना,
राखी बांधो प्यारी बहना.
धरती ने चाँद मामा को.
इंद्रधनुषी राखी पहनाई,
बिजली चमकी खुशियों से,
रिमझिम जी ने झड़ी लगाई..
राजी खुशी सदा तुम रहना,
राखी बाँधों प्यारी बहना.

डिम्पल, गुंजन, जस्सू, बबिता, तमन्ना, लक्षिका, चंचल, नैना

आप सभी बहनों को भाई बहन के प्यार भरे त्यौहार पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं

रुद्रांश धवन,लक्षित धवन,यश कुमार,त्रिभुवन,छवि ,निक्कू

ग्राउंड रिपोर्ट : रींगस सीएचसी में एमसीआई के आदेशों की हो रही अवहेलना

एनपीए उठाने वाले चिकित्सक मरीजों से वसूल रहे फीस

सरकार व मरीजों के साथ धोखा कर रहे चिकित्सक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। रींगस कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कई डॉक्टर अपने क्वार्टर पर मरीजों को नहीं देखने का हवाला व शपथ पत्र देकर सरकार को हर महीने लाखों रुपए का चूना लगा रहे हैं, डॉक्टर सरकार व मरीजों के साथ धोखा कर रहे हैं। हकीकत यह है कि डॉक्टर एमसीआई के आदेशों की अवहेलना कर अपने आवास पर मरीजों को देखकर मरीजों से फीस वसूल अपनी जेब भर रहे हैं। जबकि नियमानुसार एनपीए उठाने वाले डॉक्टर फीस नहीं ले सकते, सीएचसी में कई डॉक्टर (नॉन प्रेक्टिस अलाउंस) एनपीए उठा रहे हैं। आपको बता दे कि सीएचसी प्रभारी ने अस्पताल में एनपीए लेने वाले डॉक्टरों की निगरानी के लिए ना तो नोडल ऑफिसर लगा रखा है, ना ही उन डॉक्टरों की सूची आउटडोर में चस्पा कर रखी है। कुल मिलाकर अगर बात करे तो रींगस सीएचसी में एमसीआई के आदेशों की बिल्कुल भी पालना नही हो रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. निर्मल चौधरी सीकर ने बताया कि एनपीए लेने के बावजूद क्वार्टर पर मरीजो से फीस लेने वाले चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है, लेकिन हमारे पास किसी तरह की शिकायत नहीं आई। शिकायत आने पर दोषी चिकित्सकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल हरित क्रांति मूल्यांकन में बारह हजार तीन सौ पौधों को मिला जीवन दान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर । राष्ट्रीय डिजिटल हरित क्रांति, उदयपुर के जनक ललित नारायण आमेटा, निदेशक, फॉस्टर भारतीय पर्यावरण सोसाइटी ने कोरोना काल में घर बैठे पर्यावरण प्रेमियों के उत्साहवर्धन हेतु हरित भारत निर्माण के लिए डिजिटल हरित क्रांति का अतिरिक्त मुख्य नायक मजिस्ट्रेट वल्लभनगर के द्वारा शुभारंभ 2020 में करवाया। सत्र 2023 डिजिटल हरित क्रांति के अध्यक्ष, मुख्य वन संरक्षक आर. के. सिंह ने कहा कि सभी को वृक्षारोपण के महत्व के बारे में जागरूक होना चाहिए और दूसरों को भी अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। डॉ मोनिका रघुवंशी, जिला अध्यक्ष, भारतीय जैव विविधता संरक्षण सोसाइटी बतातीं हैं कि पेड़ एक भौतिक फिल्टर के रूप में काम करते हैं, धूल को रोकते हैं और हवा से प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं। वे सौर विकिरण से छाया भी प्रदान करते हैं और शोर भी कम करते हैं। शोध साबित करता है कि पेड़ों और हरे भरे स्थानों से घिरे रहने के कुछ ही मिनटों के भीतर रक्तचाप कम हो जाता है, हृदय गति धीमी हो जाती है और तनाव का स्तर कम हो जाता है। इसके अलावा अन्य पर्यावरणप्रेमियों ने भी डिजिटल हरितक्रांति में अपने सहयोग की जानकारी दी।

रक्षाबंधन

डॉ. संजय बैरवा
प्राकृतिक चिकित्सक
@jagrukjanta.net

भारत का प्रमुख त्यौहार रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँध कर उसकी लम्बी उम्र की कामना करती है। और इस दिन भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है।

बाजरो में राखी सजी है
अपनी भी कलाई में सजाने दो
रौनक हर जगह दिख रही है
मुझे भी उत्सव मानाने दो
नहीं चाहिय मेवे और उपहार बदले में
तुम बस रक्षा का वचन निभावो ना
भैया तुम आ जाओं ना
आओ मुझ को तिलक लगाने दो
मैंने फिर से पूजा की थाली सजाई है
देखो मैंने पसंद की बुंदिया बनाई है
साथ में मिठाई और लड्डू है
नहीं है इस बार कोई शिकायत तुमसे
तुम भी मन का बैर मिटाओ ना
भैया तुम आ जाओं ना।

****

(ये लेखक के अपने विचार है)

ध्रुवी ने विलक्षण प्रतिभा के दम पर बढ़ाया देवनगरी का गौरव

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ अंजली माली। स्वामी विवेकानंद ने कहा हैं "जैसा तुम सोचोगे वैसा ही बन जाओगे, खुद को निर्बल मानोगे तो निर्बल और सबल मानोगे तो सबल बन जाओगे। संभवतः इसी मूल मंत्र को जीवन में उतारकर ध्रुवी राठौड़ अपनी मंजिल की तरफ बढ़ रही हैं। प्रतिभा तो सबके पास होती हैं। परंतु उस प्रतिभा को पहचान कर और उसके दम पर कार्य करके अपने जिले का नाम रौशन कर किया। यह हर किसी के बस की बात नहीं हैं। चलिए आज हम आपको एक ऐसी प्रतिभा के बारे में बताते हैं, जिसने हर क्षेत्र में अनेकों पुरस्कारों से नवाजा गया है। चाहे वह नृत्य जगत हो या नेतृत्व क्षेत्र, चाहे वह शैक्षणिक उपलब्धि हो या सामाजिक सेवा, चाहे वह राज्य स्तर पर राजनेताओं से मुलाकात हो या देश के प्रधानमंत्री मोदी जी से साक्षात्कार करना, चाहे वह जिला स्तर की प्रतियोगिता कि बात हो या कोई अन्य क्षेत्र हर क्षेत्र में ध्रुवी ने परचम लहराना है। साथ ही मिस सिरोही जिले में आयोजनों में अपने सौन्दर्य से अदाकारा का खिताब जीतना हो, चाहे वह एक छात्र नेता के रूप में खुद की पहचान बनाना हो या निडर होकर अभिव्यक्ति देना हो। ध्रुवी ने यह साबित कर दिया कि लड़कियां निसंदेह किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

आइये जानते हैं कौन है ध्रुवी

ध्रुवी राठौड़ की शिक्षा सिरोही से हुई है मैट्रिक निजी स्कूल से पास करने के बाद बारहवीं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरोही से पास की। साथ ही राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरोही की छात्रा हैं। जिन्होने महाविद्यालय सिरोही से वर्ष 2019 में बीएससी पास की। वर्तमान में वह इसी महाविद्यालय से रसायन शास्त्र में एमएससी में अध्ययनरत है। बचपन से पढाई के साथ साथ नृत्य करने की भी खासी रुचि थी, कई राजकीय शिविरों में और जिला स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से ध्रुवी ने अपनी इस प्रतिभा को बाहर लाया दर्शकों के सामने रखा और उन्होने इसके दम पर कई पुरस्कार भी प्राप्त किये। शायद ध्रुवी को पता था कि बडे सपनों की शुरुआत छोटे छोटे कदम बढाकर ही होती है। इसलिए उन्होंने इन अवसरों का सदा सम्मान किया हैं।

इन क्षेत्रों में बढ़ाया जिले का गौरव

ध्रुवी ने सिरोही जिले में मिस सिरोही, मिस कॉलेज के साथ मिस जालोर जैसे खिताब भी अपने नाम किये। उन्होंने ने बशर्ते नृत्य कला में अपनी प्रस्तुति से सभी का दिल जीता हैं, परंतु मिस सिरोही व मिस कॉलेज जैसी प्रतियोगिता में भी कई प्रतिभागिओ को अपने टेलेंट के दम पर पछाड दिया हैं। दरअसल यह प्रतियोगिता जिसमे प्रतिभागी के वेशभूषा से लेकर, रेंप वाक व अंत में पूछे गये प्रश्नो का उत्तर देने के अंक समाहित होते हैं। कह सकते हैं यह वाक कौशल, चलन व सौन्दर्य अथवा ड्रेस अप पर आधारित प्रतियोगिता होती हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इसमे भी ध्रुवी ने चार खिताब अपने नाम कर लिये। 2019 में आयोजित झनकार में मिस सिरोही का खिताब जीता। 2020 में आयोजित जालोर महोत्सव में मिस जालोर का खिताब जीता। 2020 में ही महाविद्यालय में आयोजित शहनाई में मिस कॉलेज का खिताब जीता। 2022 में सिरोही स्थापना महोत्सव में मिस सिरोही द्वीतीय रनर अप का खिताब जीता।

राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर लहराया परचम

ध्रुवी की अनोखी प्रतिभा के फलस्वरूप परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2020 मे़ डीडीजी राजस्थान द्वारा दिल्ली में आयोजित राज्य स्तरीय नाटक अथवा एकांकी में ध्रुवी की नृत्य कला व वाक कौशल को देखते हुए राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। जिसमे उन्होंने पन्नाधाय के त्याग और बलिदान की गाथा को अपने कौशल से दिखाया। इसके साथ ही अपने कॉलेज के भी कई नुक्कड़ नाटक द्वारा ध्रुवी ने समाज में जागरूकता व जनजागृति फैलाने का प्रयास किया। इसके साथ ही सन 2022 में जयपुर में जवाहर कला मंच पर भरत नाट्यम् व क्लासिकल नृत्य की प्रस्तुति देने का अवसर मिला।

ध्रुव तारे की तरह चमक रहीं ध्रुवी

सिरोही की जनता के लिए निश्चित ही यह तय हैं कि सिरोही का चमकता यह सितारा भविष्य में मिस राजस्थान जैसे खिताब से सिरोही को नवाजे। उसी और ध्रुवी अपने पथ पर निरंतर चल रही हैं। 2022 में सिरोही स्थापना महोत्सव में मिस सिरोही की ओर से ध्रुवी द्वारा दिया गया स्वयं का परिचय उनके साहस और एक निर्भीक नारी होने की और इंगित करता हैं। कहा जा सकता हैं कि स्थान देना तो जुरी के हाथ में हैं, परंतु ध्रुवी की प्रस्तुति सदैव प्रथम स्थान के समान ही विशिष्ट और अद्भुत रही हैं।

राष्ट्रीय स्तर में राजस्थान का नेतृत्व

देशभक्ति और देश प्रेम के जज़्बे से ओतप्रोत ध्रुवी ने 2019 में एनसीसी दिल्ली द्वारा आयोजित रिपब्लिक डे कैंप दिल्ली में राजस्थान का नेतृत्व किया। यहां की एनसीसी सिरोही की यूनिट अथवा इकाई चार से थी। वहां पीएम रैली में इन्होने परेड भी की। वहां भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय सेवा के अध्यक्ष स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत, और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने का सौभाग्य सिरोही की लाडली ध्रुवी को प्राप्त हुआ।

सीएम से मिलने का मिला अवसर

कुछ दिन पूर्व ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मुलाकात करने का अवसर मिला। इस दौरान चंद्र यान- 3 की सफल लैंडिंग उनके साथ देखी। हाल ही में सिरोही महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को विधायक द्वारा हवाई यात्रा द्वारा जयपुर ले जाया गया। जिसमे ध्रुवी ने बतौर कक्षा प्रतिनिधि के तौर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। तथा उनके साथ बैठकर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग देखने का सौभाग्य मिला। जयपुर राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर उनके सामने अपनी बात रखी। तथा उनसे कुछ सवाल किये जिनके प्रति उत्तर भी ध्रुवी को प्राप्त हुए। ध्रुवी बताती हैं कि यह उनके लिए बडे ही खुशी और गर्व की अनुभूति रही। इस दौरान उन्होने मुख्य सचिव उषा शर्मा से भी मुलाकात की और प्रेरणादायी सूत्र भी ग्रहण किये।

ध्रुवी का साहित्य से अटूट लगाव

नृत्य कला के साथ साथ साहित्य के प्रति गहरी रूचि, अपनी निडर अभिव्यक्ति को बनाई अपनी ताकत, कला के विद्यार्थियों का साहित्य के प्रति गहरा रूख अकसर देखने में आता हैं। परंतु विज्ञान के विधार्थी का साहित्य से अनोखा प्रेम एक अद्भुत उदाहरण हैं। ध्रुवी ने महाविद्यालय सिरोही से ही अंग्रेजी विषय में एमए किया। यह उनका भाषिक विषयों के प्रति प्रेम ही तो हैं। आज भी अंग्रेजी बोलने और लिखने में कोई उनका मुकाबला कर नहीं पाता। उसी प्रकार हिंदी भाषा और साहित्य जगत एवं कवि कवयित्रियों की रचनाओं को पढना भी ध्रुवी को पसंद हैं। नृत्य कला के साथ साथ अपने वाक कौशल को भी पहचानकर इस क्षेत्र में कई कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों के सामने अपनी निडर अभिव्यक्ति रखी हैं। लेखन और कविताओं के प्रति उनकी रूचि भी रही हैं। नृत्य, भाषण, लेखन और न जाने कितनी अमूल्य प्रतिभाओ की धनी ध्रुवी हैं। सिरोही स्थापना महोत्सव में नारी सशक्तिकरण पर किया उनका नृत्य और कविता ने खुब वाह वाही बटोरी थी।

एनसीसी में भी कर्तव्यनिष्ठा से निभाया फर्ज

एक सफल एनसीसी कैडेट के रूप में भी ध्रुवी ने सिरोही महाविद्यालय को अनोखी पहचान दिलाई थी। ध्रुवी एनसीसी अर्थात नेशनल कैडेट कोर की कैडेट भी रही हैं। उनका मानना हैं कि एनसीसी का उनके व्यक्तित्व के निर्माण में बहुत सफल योगदान रहा हैं। जिसकी बदौलत वह अपनी बात को निर्भीक रूप से रखना और बोलना सीख पाई हैं।

जिला कलेक्टर से लेकर कई अधिकारी कर चुके हैं सम्मानित

सिरोही जिले का मान बढाने के लिए ध्रुवी को 2019 में ही स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सिरोही के तत्कालीन जिला कलेक्टर सुरेंद्र कुमार सोलंकी और विधायक संयम लोढ़ा द्वारा उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वही यह बताते हुए आश्चर्य हो रहा हैं कि ध्रुवी को डीडीजी राजस्थान द्वारा रीकमंडेशन के सिल्वर बैच से नवाजा गया। जो कि आरडीसी में अहम भूमिका निभाने के लिए दिया जाता हैं। 114 में से केवल 15 कैडेट को यह प्राप्त हुआ था जिसमे सिरोही की बेटी ध्रुवी भी सम्मिलित थी। ध्रुवी के सिरोही पहुंचने पर उनका फूल मालाओं और ढोल नगाढों के साथ महाविद्यालय के छात्रों ने अभिनंदन किया था।

वर्तमान में ध्रुवी एक निर्भीक छात्र नेता के रूप में कार्य कर रही हैं। वह महाविद्यालय की छात्राओ को साथ लेकर उनके लिए कुछ नवाचार करना चाहती हैं। हमैशा से ही सामाजिक सेवा और कार्य के लिए ध्रुवी ने अपना अहम योगदान दिया हैं। 2018 में महाविद्यालय छात्र संघ चुनाव से बतौर इस यात्रा की शुरुआत की और आज ध्रुवी की मेहनत हम सभी के सामने हैं।

जागरूक खबरें

■ राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम 4 को

चित्तौड़गढ़@ जागरूक जनता। राज्य स्तर से मिशन निदेशक एनएचएम द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा निर्देश प्रदान किए गये कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत 4 सितंबर को जिले मे स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के साझा प्रयासों से मनाया जायेगा एवं 11 सितम्बर को मॉप अप राउंड आयोजित किया जावेगा जिसमे छूटे हुवे बच्चो को एलबेन्डाजोल की गोली खिलायी जायेगी। इसके तहत् जिले के शहरी प्राथ. स्वा. केन्द्रो, उप स्वास्थ्य केन्द्रो एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा शिक्षण संस्थाओ पर 1-19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि नाशक एलबेंडाजोल गोली खिलायी जायेगी।

■ पुनीत अनुपम ग्रुप द्वारा ऑनलाइन प्रतिभा मंथन महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम ग्रुप द्वारा प्रतिभाशाली कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन 'प्रतिभा मंथन महोत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें सभी तरह के कला के जानकार या कला में माहिर कलाकारों को अपनी कला विडियो रूप में लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर दिया गया। इस कार्यक्रम में देश के अलग-अलग राज्यों के कलाकारों ने भाग लिया। इस महोत्सव में बेहतरीन कला प्रतिभा प्रदर्शित करने वाली प्रतिभाशाली शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत प्रतिभा रत्न' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन्होंने ग्रुप द्वारा आयोजित होने वाले भिन्न-भिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रतिभाशाली लोगों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में बेहतरीन कला प्रतिभा प्रदर्शित करके ग्रुप की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम शैली भागवत 'आस', किरण सेठी, करिश्मा नरेंद्र मल के रहे।

मुख्यमंत्री का जोधपुर दौरा : जनकल्याणकारी योजनाओं में राजस्थान बना मॉडल स्टेट

मिशन-2030 से प्रदेश बनेगा देश का अग्रणी राज्य-गहलोत

जोधपुर में जगशांति सभागार एवं स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने विजन-2030 डॉक्यूमेंट के लिए उद्यमियों से मांगे सुझाव

जोधपुर में जगशांति सभागार एवं स्किल डवलपमेंट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर के बासनी में मरूधरा इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के जगशांति सभागार एवं लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां एंटरप्रेन्योर ''लोगो'' का अनावरण भी किया।

गहलोत ने समारोह में कहा कि औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी नीतियों और इण्डस्ट्री फ्रैंडली माहौल से प्रदेश में निवेश बढ़ा है। साथ ही, कुशल वित्तीय प्रबंधन से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने कहा कि 11.04 प्रतिशत जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान का उत्तर भारत में प्रथम और देश में दूसरे स्थान पर रहना हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा एवं सराहना पूरे देश में हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) एक्ट, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, महंगाई राहत कैम्प, ओपीएस बहाली, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स वेलफेयर फंड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक सहित अन्य योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। आगे भी योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

सहयोग के लिए सम्मान, दिलाई शपथ

समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने जगशांति सभागार और स्किल सेंटर को बनाने में विशेष योगदान के लिए 29 उद्यमियों को सम्मानित किया। जोशी ने एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री दिलीप सोनी सहित कार्यकारिणी को शपथ भी दिलाई। जोशी ने कहा कि मारवाड़ के लोगों ने देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नॉर्थ-ईस्ट में भी यहां के लोगों की विशेष पहचान है। उन्होंने कहा कि गहलोत के विकासकारी विजन ने राजस्थान को नई दिशा दी है। प्रदेश नवनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ा है। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने में प्रदेशवासियों से पूरी निष्ठा के साथ अधिकाधिक भागीदारी और समर्पित भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर एमआईए भवन निर्माण समिति के संयोजक एवं रीको के स्वतंत्र निदेशक श्री सुनील परिहार ने प्रदेश में औद्योगिक विकास में बहुआयामी एवं ऐतिहासिक कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी अध्यक्ष बिनाका जैश मालू, महापौर कुन्ती देवड़ा परिहार, जोधपुर शहर विधायक मनीषा पंवार, लूणी विधायक महेंद्र विश्नोई, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष वैभव गहलोत, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिलीप सोनी, एमआईए के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल चौपड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य एवं औद्योगिक संस्थानों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सभागार और सेंटर बनेंगे उपयोगी

आधुनिक सुविधाओं वाले जगशाति सभागार से उद्यमियों को अपने सेमिनार व अन्य कार्यक्रम आयोजित करने में आसानी होगी। वहीं, इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के सदस्य हस्ती पेट्रोकेमिकल एंड शिपिंग लि. के रुचिर पारेख द्वारा लता रमेश पारेख स्किल डवलपमेंट सेंटर के निर्माण से उद्यमियों और कर्मचारियों को उच्च प्रशिक्षण मिलेगा।

अब मिशन-2030, बनें भागीदार

गहलोत ने कहा कि हम सभी ने मिलकर 5 वर्षों में राजस्थान की प्रगति को 4 गुना बढ़ाया है। अब इसे 10 गुना बढ़ाने और राजस्थान को हर क्षेत्र में देश का सिरमौर बनाने की दिशा में मिशन-2030 का शुभारम्भ किया है। राज्य सरकार 1 करोड़ लोगों से सुझाव और सलाह लेकर विजन 2030 डॉक्यूमेंट जारी करेगी। इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने उद्यमियों, प्रदेशवासियों से उन्नत और खुशहाल राजस्थान के लिए सुझाव-विचार देने का आह्वान किया। missionw030.rajasthan.gov.in के माध्यम से सुझाव दिए जा सकते है।

अब आधुनिक जोधपुर

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब जोधपुर में ट्रेनों से पानी मंगवाया जाता था। वहीं, आज जोधपुर का अत्याधुनिक विकास हो रहा है। देश की सभी प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थाएं शहर में संचालित हो रही है। राजीव गांधी फिनटेक इंस्टीट्यूट और मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी से युवाओं के सपने साकार होंगे। अब जोधपुर में गैस पाइप लाइन भी बिछने लगी है, जिससे घर-घर तक रसोई गैस की आपूर्ति सुरक्षित और निर्बाध रूप से हो सकेगी।

सोलंकी का पदोन्नति पर स्वागत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सुमेरपुर। सुमेरपुर नगर पालिका में एईन पदस्थ विनोद कुमार सोलंकी पदोन्नती सहायक अभियन्ता (सिविल) से अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) के पद पर प्रदोन्नत किए कर्मचारियों द्वारा सोंलकी का स्वागत किया गया। जिसमें पालिका के कनिष्ठ अभियन्ता कैलाष मीणा, तकनिकी सहायक प्रदीप गिरी, कनिष्ठ लिपिक श्रवण कुमार सोलंकी व पालिका के समस्त कर्मचारी व ठेकेदार उपस्थित रहें।

आई स्टार्ट आइडियाथोन में अभय प्रताप सिंह शेखावत टीम को मिला प्रथम स्थान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग,आई स्टार्ट, राजस्थान स्टडीबेस, टिंकरली और कोड विद्या के तीन एडटेक स्टार्टअप्स के सहयोग से आई स्टार्ट आइडियाथोन का आयोजन होटल कला मंदिर शिववैली में किया गया। आई स्टार्ट आइडियाथोन का उद्देश्य स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच स्टार्टअप विचारों को बढ़ावा देना है। आइडियाथोन में बीकानेर संभाग को बीकानेर,चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों के 1200 छात्रों से 430 टीम पंजीकरण प्राप्त हुए।पंजीकृत टीमों में से पैनल ने फाइनल के लिए 17 स्कूल और 15 कॉलेज टीमों का चयन किया।आई स्टार्ट आइडियाथोन आयोजन में ज्यूरी मेंबर्स द्वारा विजेता टीम का चयन टीम और आइडिया प्रेजेंटेशन के आधार पर किया गया, जिसके अंतर्गत स्कूल कैटेगरी में मुरलीधर व्यास कॉलोनी की महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल के अभय प्रताप सिंह शेखावत की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ?25000 की राशि पुरस्कार में प्राप्त की। अभय प्रताप सिंह की टीम में अंशुमन सिंह शेखावत और अक्षत रंगा ने सहभागिता निभाई। अभय प्रताप सिंह शेखावत के पिताजी श्री महेंद्र सिंह शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जामसर में प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं। अभय प्रताप सिंह शेखावत बीकानेर जिले के एकमात्र विद्यार्थी हैं जिन्होंने इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर बीकानेर जिले को गौरवान्वित किया है।

धाकड़ छात्र संगठन की तहसील कार्यकारणी का किया विस्तार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ। धाकड़ छात्र संगठन जिलाध्यक्ष दशरथ सुखवाड़ा ने बताया की निंबाहेड़ा बस्सी व भदेसर तहसील की कार्यकारणी का विस्तार युवा संघ जिला अध्यक्ष शिवनारायण जी मंडावली, प्रदेश मंत्री विनोद टाई का खेड़ा, प्रदेश संगठन मंत्री जगदीश धाकड़ जयसिंहपुरा, युवा संघ जिला उपाध्यक्ष अर्जुन उम्मेदपुर निंबाहेड़ा अध्यक्ष रामनिवास मंडावली,भदेसर अध्यक्ष राहुल पंचदेवला की सहमति से निंबाहेड़ा तहसील उपाध्यक्ष पर दीपक शोभावली, सूरज कोचवा, प्रवीण भगवानपुरा, महामंत्री विकास जावदा राहुल मेडीखेड़ा, अर्जुन लूनखंदा, गोपाल कनेरा मंत्री सोनू उखलियाँ, सत्तू बडोली माधोसिंह, पवन नरसिंहगढ़ भदेसर तहसील उपाध्यक्ष भूपेंद्र बंशी जी का खेड़ा, राहुल सुखवाड़ा, मनीष धाकड़ (LSA) महामंत्री दिलीप धाकड़ सुखवाड़ा, राहुल बंशी जी का खेड़ा, देवकरण रूपा जी का खेड़ा व बस्सी तहसील अध्यक्ष लोकेश सोकीया, महामंत्री किशन गोपालपुरा कन्हैयालाल नेगडिया को नियुक्त किया गया।

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने बोर्ड परीक्षा के लिए छात्राओं को दिए टास्क

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

साँचोर। पाली मंडल शिक्षा संयुक्त निदेशक पालाराम मेवाता ने सांचौर ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाड़ेतर का निरीक्षण किया। राजस्थान के शिक्षा में बढ़ते कदम के तहत बेसलाइन असेसमेंट कक्षा तीसरी से आठवीं तक कक्षा कक्षा में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कार्य पुस्तिका आधारित शिक्षण कार्य के तहत कार्य पुस्तिकाओं की बारीकी से जांच कर संतोष जाहिर किया। वही छात्राओं की कापियों का निरीक्षण किया और उन्हें सुंदर लेखन कार्य का महत्व समझाया। इसके साथ ही उन्हें बोर्ड परीक्षा के लिए आवश्यक टिप्स दिए। आखिरी में शिक्षकओं से भी छात्राओं के पठन कार्य पर चर्चा की व उनके कार्यों की सराहना की। इसके साथ ही विद्यालय की स्थिति बरसात के कारण ठीक है या नहीं, आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन विभागीय निर्देशानुसार मनाने, पौधारोपण कार्यक्रम, पोषाहार एवं शिक्षण के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए। संयुक्त निदेशक ने पौधों से आच्छादित विद्यालय स्वच्छता व रखरखाव पर संतोष जाहिर किया तथा इसके लिए संस्था प्रधान रुडाराम रेबारी व विद्यालय परिवार को धन्यवाद दिया। इस मौके पर व्याख्याता रविंद्र सारण, पुरखाराम,जबरा राम, वरिष्ठ अध्यापक हरिराम चौधरी,पीईटी भंवरलाल, अनिल कुमार सहित सभी अध्यापक उपस्थिति थे।

गोनेर के परसा का बास निवासी राजू देवी की मीडिया से गुहार

जमीन वापस नहीं मिली तो बच्चे भूखे मर जाएंगे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गोनेर के परसा का बास निवासी राजू देवी की जमीन को गांव के ही कुछ लोगों की ओर से हड़पे जाने की कोशिश की जा रही है। राजू का कहना है कि उसके पति जुगल किशोर नशा करते हैं और उनसे नशे की हालत में जमीन के कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए गए हैं, जबकि हम अपनी जमीन नहीं बेचना चाहते हैं। राजू का कहना है कि इस काम में पटवारी और गांव के कुछ लोग मिले हुए हैं, जिनके खिलाफ मैंने पुलिस में एफआईआर भी दर्ज करवा दी है, लेकिन कहीं से भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बकौल राजू, ये लोग मुझे बार-बार धमकी देते हैं कि तू हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। हमें किसी का भी कोई डर नहीं है। हम तेरी बाकी जमीन भी अपने नाम करा लेंगे। हमने तेरे पति से खाली स्टाम्प पेपर पर साइन करवा रखे हैं। राजू ने रोते हुए मीडिया से न्याय दिलवाने की गुहार लगाई है। उसका कहना है कि हमें हमारी जमीन वापस नहीं मिली तो हमारे परिवार और बच्चों का भविष्य चौपट हो जाएगा, वे भूखे मर जाएंगे।

एसकेडी यूनिवर्सिटी ने दूसरी बार योगासन में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

भारत का गौरव 'योग' ओलंपिक खेलों में होगा शामिल- आर्य

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हनुमानगढ़। योग भारत की समृद्ध संस्कृति, अस्मिता और गौरव से जुड़ा विषय है, इसलिए दुनियाभर में जहां भी योग का प्रभाव बढ़ रहा है, वहां के जनमानस में भारत और भारतीयता के लिए और अधिक स्वीकृति भी बढ़ी है। ये कहना है और हरियाणा योग बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य का। वे आज गुणवत्तापरक शिक्षा के अग्रणी केंद्र खुशाल दास विश्वविद्यालय के योग विभाग की पहल पर योग और आसनों के विशिष्ट संयोजन से तैयार 'एसकेडीयू स्पेशल योगासन श्रृंखला' के विश्व कीर्तिमान कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रहे थे। योगासन भारत के राष्ट्रीय महासचिव आर्य ने कहा कि मानसिक तनाव से जूझती दुनिया ने योग को अपना लिया है। राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर रुक्मिणी रियार ने कहा कि ये आयोजन योग और हनुमानगढ़ दोनों के लिए प्रतिष्ठा का विषय है। उन्होंने स्वयं योगासन सीरीज के वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच जाकर उनका मनोबल बढ़ाया।

एसकेडी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन दिनेश कुमार जुनेजा ने बताया कि योग के लिए शुरू की गई ये खास मुहिम को आगे भी जारी रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि योग में दूसरी बार यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है जो पूरे प्रदेश के लिए उल्लेखनीय घटना है। इस अवसर पर 35 तरह के योगासनों से सजी 'एसकेडीयू स्पेशल योगासन श्रृंखला' पर आधारित पुस्तिका का लोकार्पण किया गया।

श्री अन्न वाटिका का उद्घाटन

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत् श्री अन्न वाटिका विकसित की गयी। जिसका उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक व सचिव कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, नई दिल्ली डॉ. हिमांशु पाठक ने किया। इस मौके पर महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति, डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने बताया कि किसानों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों में जागरूकता एवं ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के प्रत्येक महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अनुसंधान केन्द्र इसी तरह की श्री अन्न वाटिका विकसित की गयी है। अखिल भारतीय ज्वार अनुसंधान परियोजना की प्रभारी डॉ. हेमलता शर्मा ने पोषक अनाज वर्ष 2023 के अन्तर्गत मिलेट् बीज वितरण के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर उदयपुर एवं करनाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक भी उपस्थित थे। अतिथियों ने इस मौके पर महाविद्यालय परिसर में नवस्थापित दो प्रयोगशालाओं वर्चुअल रियेलिटी लेब एवं अग्रेंजी प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया।

ANCHOR

नारायण सेवा संस्थान का 40वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह 2-3 सितम्बर को

54 जोड़े थामेंगे एक दूजे का हाथ

दिव्यांग जोड़ों को उपहार में मिलेंगे सोने के आभूषण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। यूँ तो डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए झीलों की नगरी सबकी पहली पसंद है, पर नारायण सेवा संस्थान उदयपुर में दिव्यांग एवं निर्धन बन्धु- बहिनों के घर बसाने का पुनीत सफल प्रयास करता आ रहा है। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगजन पुनर्वास योजना के तहत आगामी 2-3 सितंबर को सेवा महातीर्थ, बड़ी परिसर में 40वां निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन होगा। जिसमें राजस्थान सहित सात राज्यों के 54 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर गृहस्थ जीवन की शुरुआत करेंगे।

संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि संस्थान ने अब तक 39 सामूहिक विवाह आयोजित किए है। जिनमें 2252 दिव्यांग एवं निर्धन युगलों का सुखी गृहस्थ जीवन बसा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष संस्थान का दूसरा सामूहिक विवाह बड़े ही धूमधाम से हजारों लोगों की उपस्थिति में सितम्बर माह की 2-3 तारीख को 54 जोड़ों की ज़िन्दगी में खुशियाँ घोलेगा। उन्होंने कहा कि यह दिव्यांग विवाह दो अधूरे जीवन को पूर्णता प्रदान करता है। इनमें ऐसे जोड़े है, जो कुछ तो हाथ-पैरों से दिव्यांग है, कोई एक आंख से कोई एक पैर -एक हाथ से विकृत तो किसी का वर नेत्रहीन और वधु पैरों से दिव्यांग, कोई जोड़ा व्हीलचेयर पर है,तो कुछ वैशाखी के सहारे चलते है। कुछ जोड़े चारो हाथ -पैरों से घिसट -घिसटकर चलने वाले है। इस तरह के पारम्परिक प्रयास से दिव्यांगजनों की ज़िन्दगी में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने का कुछ प्रयास संस्थान कर रहा है।

संस्थान के विवाह समारोह प्रभारी रोहित तिवारी ने कहा कि इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के समाजसेवी अतिथि के रूप में उपस्थित होकर नवयुगल को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। विवाह की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रस्तावित जोड़े व उनके परिजन 1 सितंबर तक उदयपुर पहुंच जाएंगे। इन सभी के उदयपुर आने व विवाहोपरांत पुनः उनके गांव /शहर पहुंचाने की व्यवस्था संस्थान करेगा। राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले जोड़ों, उनके परिजनों व अतिथियों के संपूर्ण सुविधायुक्त आवास, भोजन, परिवहन आदि की व्यवस्थाओं को विभिन्न समितियों के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है। समारोह में देश के विभिन्न नगरों से संस्थान की शाखाओं तथा आश्रमों के प्रभारी व प्रेरक भी भाग लेंगे। हिन्दू समाज में 108 का आंकड़ा शुभ है। यह विवाह 108 परिवारों के घर में खुशियाँ लाने वाला बनेगा। विवाह कार्यक्रम की जानकारी देते हुए गंगोत्री विभाग प्रमुख रजत गौड़ ने बताया कि 2 सितंबर को शुभ मुहूर्त में संस्थान संस्थापक चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' व कमला देवी जी के सानिध्य में गणपति स्थापना, हल्दी रस्म व विवाह के पारम्परिक गीत-नृत्य के बीच मेहंदी रस्म की अदायगी होगी। इस दौरान उन जोड़ों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने पिछले विवाहों में फेरे लेकर घर-संसार बसाया और वे खुशहाल हैं।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

14 जुलाई 2023 को भारत का चन्द्रयान-3 मिशन धरती से रवाना किया गया।

अमृतकाल की प्रथम प्रभा में सफलता की यह अमृत वर्षा हुई है। हमने धरती पर संकल्प लिया और चाँद पर उसे साकार किया। हमारे वैज्ञानिक साथियों ने भी कहा है 'इंडिया इन ऑन द मून' आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं।
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

41 दिनों के लंबे सफर के दौरान स्पेसक्राफ्ट ने धरती और चाँद की ऑर्बिट में कई चक्कर लगाए

17 अगस्त को लैंडर से जुड़ा हुआ प्रोपल्शन मॉड्यूल अलग हो गया और लैंडर ऑर्बिट में और आगे बढ़ गया।

भारत का चन्द्रोदय

'India Is on the Moon'

चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर जैसे ही चांद पर उतरा ISRO चीफ एस. सोमनाथ ने कहा- India is on the moon यानी भारत अब चांद पर है और फिर यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कही। भारत चांद पर पहुंचने वाला दुनिया का चौथा और साउथ पोल पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। पहली बार में ही सफल मंगल मिशन के बाद ISRO ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग कराकर दुनिया में अपना परचम लहरा दिया है...

का प्रोपल्शन मॉड्यूल चांद के ऑर्बिट के चक्कर लगाएगा और धरती से आने वाले रेडिएशंस की स्टडी करेगा।

इस तरह हुई लैंडिंग

फेज 1 : विक्रम लैंडर की स्पीड को कम करके चंद्रमा की सतह से 30 किलोमीटर की दूरी से घटाकर 7.5 किमी पर लाया गया।

फेज 2 : लैंडर चांद की सतह से 7.4 किमी की ऊंचाई पर था तब उसे वर्टिकल पोजिशन में लाया गया, इसमें 10 सेकंड लगे।

फेज 3: चंद्रयान-3 को चंद्रमा की सतह से 800 मीटर की दूरी तक लाया गया।

फेज 4 : चंद्रयान-3 चांद की सतह से 150 मीटर तक लाया गया और इस समय लैंडर वर्टिकल ही था।

फेज 5 : चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर चंद्रमा की सतह के 60 मीटर के करीब पहुंचाया गया।

फेज 6 : इस ऐतिहासिक और आखिरी फेज में लैंडर ने चांद पर टच डाउन किया।

20 मिनट लगे सॉफ्ट लैंडिंग में

- चंद्रयान-3 के लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग में 20 मिनट लगे। इसे '20 मिनट्स ऑफ टेरर' कहा जा रहा था।
- यह समय शाम 5 बजकर 44 मिनट पर शुरू हुआ। तब लैंडर से चंद्रमा 31 किमी दूर था।

कई देश रहे असफल

- चांद पर लैंडिंग करने में दुनिया के कई देश असफल रहे हैं। भारत समेत 4 देश ही अब तक चांद की सतह तक पहुंच सके हैं।
- 14 अगस्त को रूस का लूना-25 लैंडिंग के वक्त क्रैश हो गया था।

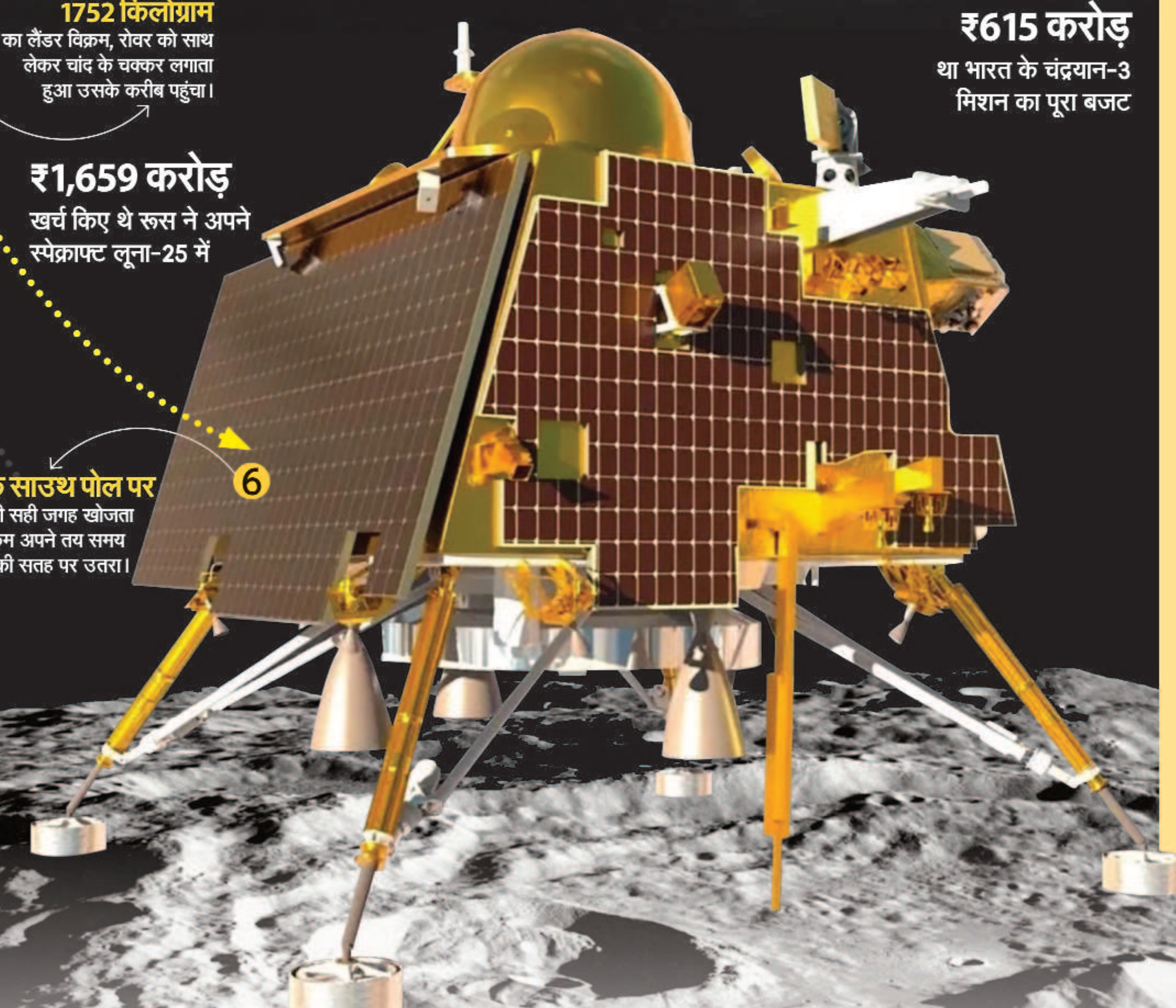

1752 किलोग्राम का लैंडर विक्रम, रोवर को साथ लेकर चांद के चक्कर लगाता हुआ उसके करीब पहुंचा।

₹1,659 करोड़ खर्च किए थे रूस ने अपने स्पेक्राफ्ट लूना-25 में

चांद के साउथ पोल पर लैंडिंग की सही जगह खोजता हुआ विक्रम अपने तय समय पर चांद की सतह पर उतरा।

₹615 करोड़ था भारत के चंद्रयान-3 मिशन का पूरा बजट

आ मिले हम चांद से

*लो आ मिले हम चांद से,
शाश्वत अंधकार के विशाल अंतराल
को मिटाते हुए हौसले की किरण से।*

*और इस वक्त,
सांस ले रही भारत की ख्वाहिशें
उस वायुविहीन लोक में।*

*बहुत सी बातें करनी हैं चंदा से
खोलने हैं ब्रह्मांड के कुछ गहरे राज
रचना है एक आश्चर्य लोक।*

*याद है? कहा था,
'मैया मैं चंद्र खिलौना लैहों'
बस थोड़ा सा इंतजार, अब तारे भी
गिरेंगे झोली में।*

*आज रात ध्यान से देखना चांद को
तीन रंगों की झलक
शायद नजर आ जाए तुम्हें।*

-संजय खाती

दुनिया में भारत पहला ऐसा जिसके कदम साउथ पोल पर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चंद्रयान-3 का लैंडर अपनी स्पीड कम करता हुआ चांद की सतह पर उतरा।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ISRO के चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने चंद्रमा के करीब 70.8 डिग्री दक्षिण अक्षांश पर मैन्जिनस सी और सिम्पेलियस एन क्रेटर के बीच टचडाउन किया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरफ से बताया गया है कि यह जगह दक्षिणी ध्रुव से करीब 600 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत दुनिया में पहला ऐसा देश बना है जो चांद के दक्षिणी ध्रुव यानी साउथ पोल पर उतर सका है। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव अभी भी काफी हद तक रहस्यमय क्षेत्र है। यहां अभी तक कोई और लैंडिंग नहीं कर सका है। ISRO की तरफ से कहा गया है कि चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव विशेष रूप से दिलचस्प है क्योंकि यहां छाया में रहने वाला सतह क्षेत्र चंद्रमा के उत्तरी ध्रुव की तुलना में बहुत बड़ा है। इसका मतलब यह है कि जो क्षेत्र स्थायी रूप से छायाग्रस्त हैं, वहां पानी जमा होने की संभावना है। NASA के मुताबिक, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सूर्य क्षितिज के नीचे या हल्का सा ऊपर रहता है। ऐसे में जितने दिन सूर्य की थोड़ी-बहुत रोशनी दक्षिणी ध्रुव के पास पहुंचती है, उन दिनों में तापमान 54 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाता है। लेकिन इस क्षेत्र में कई ऊंचे पर्वत और गहरे गड्ढे मौजूद हैं जो रोशनी वाले दिनों में भी अंधेरे में डूबे रहते हैं। इनमें से एक पर्वत की ऊंचाई साढ़े सात हजार मीटर है और इन गड्ढों और पर्वतों की छांव में आने वाले हिस्सों में तापमान -203 डिग्री सेल्सियस से -243 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। सवाल यह है कि तमाम देश चंद्रमा के उस हिस्से तक पहुंचने की कोशिश क्यों कर रहे हैं जहां पहुंचना बेहद जोखिम भरा है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इस नई स्पेस रेस के पीछे तमाम वजहों में से एक वजह पानी की मौजूदगी है। ऐसा आकलन है कि चंद्रमा पर मौजूद अंधेरे में डूबे गहरे गड्ढों में बर्फ मौजूद है। भारत के चंद्रयान-3 से चांद के इस रहस्यमयी हिस्से से पर्दा उठ सकता है।

क्या है सॉफ्ट लैंडिंग

- सॉफ्ट लैंडिंग का अर्थ है स्पेसक्राफ्ट को कंट्रोल करके धीरे-धीरे सतह पर उतारना
- लेकिन ये लैंडिंग इतनी भी आराम से नहीं हुई। लैंडर 10 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चांद की सतह पर आकर बैठा।
- अगर इसे बिना कंट्रोल छोड़ा जाता तो यह तेज रफ्तार से गिरता
- चंद्रयान-2 का लैंडर चांद की सतह पर इसी तरह क्रैश कर गया था क्योंकि उसका संपर्क ISRO के कंट्रोल रूम से टूट चुका था।

हम चांद पर हैं, यह पीढ़ियों की मेहनत का नतीज़ा: एस. सोमनाथ

बेंगलुरु @ जागरूक जनता। चांद के साउथ पोल पर मिशन की सॉफ्ट लैंडिंग के बाद ISRO चीफ एस. सोमनाथ ने खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'हमने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता हासिल कर ली है। भारत चांद पर है। चंद्रयान-3 की सफलता इसरो नेतृत्व और वैज्ञानिकों की पीढ़ियों की मेहनत का नतीजा है। यह सफलता बहुत बड़ी और प्रोत्साहित करने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दक्षिण अफ्रीका से ऑनलाइन माध्यम से इस जटिल मिशन के मुकाम तक पहुंचने के गवाह बनने के लिए जुड़े थे और उन्होंने भी वैज्ञानिकों की कोशिश की प्रशंसा की। इसरो टीम को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने मुझे फोन कॉल किया और अपनी शुभकामनाएं आप सभी को और आपके परिवारों को इसरो में किए गए आपके शानदार कार्य के लिए दी हैं। चंद्रयान-3 और ऐसे अन्य मिशन में सहयोग देने के लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं। देश के लिए हम जो प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं, उसे आगे बढ़ाने के लिए हमें प्रशंसा मिल रही है।' एस. सोमनाथ ने मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना करने वाले सभी लोगों और इसरो के पूर्व प्रमुख ए एस किरन कुमार समेत अन्य वैज्ञानिकों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा, 'वे बहुत मददगार रहे, वे उस टीम का हिस्सा थे जो वैज्ञानिकों का आत्मविश्वास बढ़ाते थे। इससे वैज्ञानिक अपने काम की समीक्षा करते थे और सुनिश्चित करते थे कि कोई गलती न हो।' उन्होंने कहा, 'यह वह यात्रा है जो चंद्रयान-1 से शुरू हुई थी, जो चंद्रयान-2 में भी जारी रही। सफलता का जश्न मनाने के साथ चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 बनाने वाली पूरी टीम के योगदान को याद किया जाना चाहिए और धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए।'

ISRO चीफ ने कहा- यह सफलता बेहद बड़ी है

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का जश्न मनाने के साथ चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 बनाने वाली पूरी टीम के योगदान को याद किया जाना चाहिए और उन्हें धन्यवाद दिया जाना चाहिए। *-ISRO चीफ एस. सोमनाथ*

चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने पहला ऑब्जर्वेशन भेजा

सतह पर करीब 50 डिग्री तापमान, 80 मिलीमीटर की गहराई में माइनस 10°C

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बेंगलुरु। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे चास्टे पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा है। ChaSTE यानी चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट के मुताबिक चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है। चंद्रमा के साउथ पोल की सतह पर तापमान करीब 50 डिग्री सेल्सियस है। वहीं, 80mm की गहराई में माइनस 10°C टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। चास्टे में 10 टेम्परेचर सेंसर लगे हैं, जो 10cm यानी 100mm की गहराई तक पहुंच सकते हैं। ChaSTE पेलोड को स्पेस फिजिक्स लैबोरेटरी, VSSC ने अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी के साथ मिलकर बनाया है।

साउथ पोल का तापमान पता चलने का फायदा क्या?

इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया था कि उन्होंने चंद्रमा के साउथ पोल को इसलिए चुना, क्योंकि यहां भविष्य में इंसानों को बसाने की क्षमता हो सकती है। साउथ पोल पर सूर्य का प्रकाश कम समय के लिए रहता है। अब जब चंद्रयान-3 वहां के तापमान समेत अन्य चीजों की स्पष्ट जानकारी भेज रहा है, तो वैज्ञानिक अब यह समझने की कोशिश करेंगे कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की मिट्टी वास्तव में कितनी क्षमता रखती है।

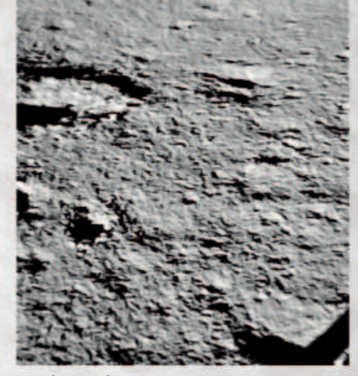

चंद्रयान-3 के साथ कुल 7 पेलोड भेजे गए हैं

चंद्रयान-3 मिशन के तीन हिस्से हैं। प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर और रोवर। इन पर कुल 7 पेलोड लगे हैं। एक पेलोड, जिसका नाम शेप है, वह चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल पर लगा है। ये चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगाकर धरती से आने वाले रेडिएशन की जांच कर रहा है। वहीं लैंडर पर तीन पेलोड लगे हैं। रंभा, चास्टे और इल्सा। प्रज्ञान पर दो पेलोड हैं। एक इंस्ट्रूमेंट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का भी है, जिसका नाम है लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर अरे। ये चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगा हुआ है। ये चंद्रमा से पृथ्वी की दूरी मापने के काम आता है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039